संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

■ वर्ष -17 ■ अंक-159 ■ रायपुर, शुक्रवार 06 नवंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : द्वादशी
नक्षत्र : हस्त
प्रथम करण : तैतिल
द्वितीय करण : गारा
पक्ष : कृष्ण
वार : शुक्रवार
योग : विष्कंभ
सूर्योदय : 06:40
सूर्यास्त : 17:28
चंद्रमा : कन्या राशि में
राहुकाल : 10:43 - 12:04
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत : 1948
मास : कार्तिक
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:42 - 12:26

12वीं की छात्रा की संदिग्ध मौत

बैकुंठपुर। जिले के बैकुंठपुर स्थित कचहरीपारा में किराए के मकान में रहकर पढ़ाई कर रही 17 वर्षीय छात्रा का शव कमरे में फांसी के फंदे पर लटका मिला। घटना की जानकारी सामने आने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान सूरजमुखी लकड़ा के रूप में हुई है। वह ग्राम मोदीपारा की रहने वाली थी और बैकुंठपुर के शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 12वीं में पढ़ाई कर रही थी। घटना की सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। बताया गया कि कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। शुरुआती तौर पर मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का पता जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही चल सकेगा। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला- कस्टडी में लेते ही शुरू होगी 24 घंटे की मियाद

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि किसी गिरफ्तार व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने की 24 घंटे की संवैधानिक समयसीमा उसे हिरासत में लिए जाने के क्षण से शुरू होती है, न कि पुलिस द्वारा औपचारिक रूप से गिरफ्तार किए जाने के समय से। न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 22(2) के उद्देश्य से गिरफ्तारी और हिरासत के बीच कृत्रिम अंतर नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा कि ऐसी कोई भी व्याख्या संवैधानिक आदेश के विपरीत होगी, जिसके तहत पुलिस को औपचारिक गिरफ्तारी से पहले हिरासत में बिताई गई अवधि को 24 घंटे की समयसीमा से बाहर रखने की अनुमति मिले।

पीठ ने कहा, ''यह विचार कि 24 घंटे की अवधि केवल औपचारिक गिरफ्तारी से शुरू होती है, संविधान के अनुच्छेद 22(2) और भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 56 के संवैधानिक आदेश के विपरीत है। फैसले में कहा गया है कि 24 घंटे की समयसीमा की गणना करते समय केवल गिरफ्तारी के स्थान से मजिस्ट्रेट की अदालत तक पहुंचने में यथोचित रूप से लगने वाले समय को ही इसमें शामिल नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा कि औपचारिक गिरफ्तारी से पहले पूछताछ, जांच, तलाशी या जब्ती में लगा समय इस अवधि से बाहर नहीं रखा जा सकता।

कृषि मंत्री ने किया जैविक खेती एवं फसल विविधीकरण अपनाकर कृषि को अधिक लाभकारी बनाने का आह्वान

किसान देश की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के मजबूत आधार : रामविचार नेताम

सूरजपुर ■ दैनन्दिनी

माँ महामाया शक्कर कारखाना केरता में गन्ना खरीदी मूल्य में वृद्धि के उपलक्ष्य में आभार एवं कृषक चौपाल कार्यक्रम का आयोजन कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में गन्ना उत्पादक किसानों ने खरीदी मूल्य में वृद्धि के निर्णय पर राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री नेताम ने किसानों को संबोधित करते हुए शासन की किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी दी तथा गन्ना उत्पादक किसानों को बोनस राशि का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने लगाए गए स्टॉलों का भी अवलोकन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि किसान धरतीपुत्र हैं, जिनके अथक परिश्रम और मेहनत से देश की खाद्यान्न संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। किसानों की खुशहाली और आर्थिक समृद्धि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने किसानों की प्रसन्नता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों की समृद्धि ही प्रदेश की प्रगति का आधार है। मंत्री श्री नेताम ने माँ महामाया शक्कर कारखाने की स्थापना का उल्लेख करते हुए कहा कि सरगुजा अंचल के गन्ना उत्पादक किसानों की मांग और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शक्कर कारखाने की स्थापना की दिशा में पहल की गई थी। जिसका



उद्देश्य स्थानीय किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना तथा क्षेत्र में कृषि आधारित औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करना था। उन्होंने कहा कि अब शक्कर कारखाने को और अधिक विकसित करने तथा वैल्यू एडिशन के माध्यम से इसकी उपयोगिता एवं आर्थिक संभावनाओं को बढ़ाने की आवश्यकता है। कृषि मंत्री श्री नेताम ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गन्ना खरीदी मूल्य बढ़ाकर 425 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। साथ ही किसानों को बोनस का लाभ भी प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि धान के स्थान पर दलहन, तिलहन जैसी वैकल्पिक फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए शासन द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप किसानों को 15 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने किसानों को फसल विविधीकरण की ओर बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। कृषि मंत्री श्री नेताम ने किसानों को आधुनिक एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियां अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तकनीकों और कृषि विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से कम पानी एवं संतुलित उर्वरक उपयोग के माध्यम से भी बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने रासायनिक कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का उल्लेख करते हुए किसानों से जैविक एवं प्राकृतिक खेती की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुंतला पोर्ते ने गन्ना खरीदी मूल्य में वृद्धि के लिए राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि माँ महामाया शक्कर कारखाने की स्थापना से लेकर इसके विकास तक किसानों के हितों को प्राथमिकता दी गई है। मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री के प्रयासों से गन्ना उत्पादक किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

मोदी कैबिनेट ने 2031 तक बढ़ाई फास्ट ट्रैक कोर्ट योजना

रेप-पॉक्सो मामलों में तुरंत मिलेगा इंसाफ!

नई दिल्ली ■ एजेंसी



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में यूनियन कैबिनेट ने रेप और पॉक्सो एक्ट के मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट यानी FTSC की केंद्र प्रायोजित योजना को 5 साल के लिए जारी रखने की मंजूरी दे दी है। यह स्कीम 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक लागू रहेगी। इसका कुल खर्च 3,788.04 करोड़ रुपये है, जिसमें केंद्र सरकार का हिस्सा 2,353.15 करोड़ रुपये और राज्य व केंद्र शासित प्रदेशों का भाग 1,434.89 करोड़ रुपये होगा। केंद्र सरकार के हिस्से को निर्भया फंड से फंड किया जाएगा।

इस स्कीम के तहत तमाम भागीदार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्पेशल पॉक्सो कोर्ट समेत 850 फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट के संचालन का प्रावधान है।

अभी 779 एफटीएससी काम कर रहे हैं, जिनमें 399 स्पेशल पॉक्सो कोर्ट शामिल हैं। अब इनकी संख्या बढ़ाकर 850 की जाएगी ताकि अतिरिक्त जिलों में कवरेज बढ़ाई जा सके। यह विस्तार भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पेंडिंग मामलों के आंकड़ों के आधार पर होगा। इस योजना के अंतर्गत पॉक्सो एक्ट, 2012 के तहत रेप और क्राइम से जुड़े पेंडिंग मामलों के जल्द निपटान के लिए समर्पित न्यायिक अधिकारी, स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर और 6 सपोर्ट स्टाफ का प्रावधान है। हर FTSC को खासतौर से सौंपे गए एक Special Public Prosecutor का प्रपोजल है। इससे त्वरित सुनवाई सुनिश्चित होगी।

रेप-पॉक्सो एक्ट के पेंडिंग मामलों की संख्या में कमी लाना है मकसद

कैबिनेट के निर्णय से यौन अपराधों के पीड़ितों के लिए त्वरित सुनवाई और टाइम-बाउंड इंसाफ करना सुनिश्चित होगा। रेप और पॉक्सो एक्ट के लंबित मामलों की संख्या में कमी आएगी। यह स्कीम कमजोर गवाह बयान केंद्रों और बच्चों के अनुकूल कोर्ट स्थानों की स्थापना को प्रोत्साहित करती है, ताकि पीड़ितों की गवाही को आगे संकट पैदा किए बिना सुविधाजनक बनाया जा सके।

इस योजना के पहले लाभार्थी हैं महिलाएं और बच्चे

इस स्कीम को Justice Department की तरफ से संबंधित राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन के समन्वय से लागू किया जाएगा। जस्टिस डिपार्टमेंट FTSC डैशबोर्ड, Periodic Progress Report और राज्य की Expense Details के जरिए प्रदर्शन की निगरानी करेगा। जस्टिस डिपार्टमेंट हाईकोर्ट और राज्य सरकारों के साथ भी परामर्श करेगा। इस योजना के प्राथमिक लाभार्थी महिलाएं और बच्चे हैं, जो पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत रेप और क्राइम की शिकार हैं।

2019 में हुई थी FTSC की इस योजना की शुरुआत

बता दें कि फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट की योजना की शुरुआत 2 अक्टूबर 2019 को हुई थी।

राहुल गांधी के महाराष्ट्र मिल्क फेडरेशन चुनाव में मिलावट के आरोप पर सीएम साय का पलटवार, कहा-

'अपनी कथनी और करनी के कारण खो चुके हैं जनता का विश्वास'

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राहुल गांधी के महाराष्ट्र मिल्क फेडरेशन चुनाव में मिलावट के आरोप पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पलटवार किया है. उन्होंने कहा कि अपनी कथनी और करनी के कारण देश की जनता का विश्वास खो चुके हैं. जो भी चुनाव हुए हैं, उसमें वे हारते जा रहे हैं. बौखलाहट में वे भ्रामक प्रचार कर लोगों को भ्रम में डालना चाह रहे हैं.

जशपुर के दौरे से लौटने के बाद रायपुर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मीडिया से चर्चा की. उन्होंने 'अर्नब' और 'मुरासु' चक्रवात को लेकर कहा कि सभी जिलों के कलेक्टर को निर्देशित किया है. जहां भी चक्रवात के कारण फसल और किसी तरह की क्षति हुई है या फिर मकान क्षतिग्रस्त या पूरी तरह से ध्वस्त हुआ है. सबका सर्वे किया जाए.

वहीं पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल और सख्ती पर सीएम साय ने कहा कि सरकार कर्मचारी हितैषी है.



उनको काम में आना चाहिए. अपनी मांग को दूसरे तरह से भी रख सकते हैं. काम नहीं करने से लोगों का और प्रदेश का अहित होता है.

उन्होंने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर लोगों को भड़काने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा का लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान चल रहा है, जो कई जिलों में आयोजित हो चुका है. इससे पहले केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी इस अभियान में शामिल हो चुके हैं. आज रायपुर में आयोजित रैली में भी शामिल होंगे.

कार ने खेत में काम कर रहे तीन लोगों को रौंदा



मथुरा ■ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मथुरा में एक बड़ा सड़क हादसा सामने आया है। मथुरा-बरेली हाईवे पर गुरुवार को भीषण हादसा हुआ है। राया थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार अनियंत्रित कार सड़क से उतरकर खेत में जा कूदी। वहां अपने देवताओं का थान बनवा रहे तीन लोगों को कार चालक ने रौंद दिया। हादसे में नाती, उसके पिता और बाबा की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस बीच कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है, लेकिन ग्रामीणों में जबरदस्त आक्रोश देखा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक राया थाना क्षेत्र तीनों लोग खेत में देवताओं का थान बनवाने के काम में लगे हुए थे। इसी दौरान तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर हाईवे से नीचे खेत में जा पहुंची और तीनों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। तीन लोगों की मौत से ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। वहीं, हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।

'बहस के लिए संसद आएं', SIR पर डिबेट की चुनौती का अमित शाह ने राहुल गांधी को दिया जवाब

करनाल ■ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता (LoP) राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। हरियाणा के करनाल में बीजेपी के 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी आप पीएम मोदी को बहस की चुनौती देते हैं। अगर आप सच में चर्चा करना चाहते हैं, तो उन्हें पत्र लिखें। हम चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने को तैयार



हैं।" राहुल गांधी ने अभी हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बहस (डिबेट) की चुनौती दी थी।

अमित शाह ने कहा कि "मैं आपको बताता हूं कि हम यह रैली क्यों निकाल रहे हैं। देश ने मोदी को लगातार तीसरी बार चुना है, लेकिन राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस को लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है।" शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी की संस्कृति में ही यह बात शामिल है कि "संसद को काम न करने दिया जाए" और "अराजकता फैलाई जाए।"

गृह मंत्री ने कहा कि 2014, 2019 और 2024 में SIR नहीं थी। फिर भी कांग्रेस बुरी तरह चुनाव हार गई। हरियाणा, महाराष्ट्र में कोई SIR नहीं था। फिर भी आप हर जगह हार गए। अब आप दावा कर रहे हैं कि एक करोड़ वोट हटा दिए गए हैं। मैं सीधे राहुल गांधी को चुनौती देना चाहता हूं। अगर आप सच में बहस करना चाहते हैं, तो बस प्रधानमंत्री मोदी को एक पत्र लिख दें। हम SIR पर चर्चा करने के लिए संसद का एक विशेष सत्र बुलाने को तैयार हैं।

हमारे यहां कोई भी काम लेने जाता है, तो पूछते हैं कि पहले क्या करते थे? राहुल गांधी से भी जनता पूछती है कि अपना पहले का रिकॉर्ड बताइए।

दुबई में दिखी छत्तीसगढ़ी संस्कृति की झलक

प्रवासी परिवारों ने धूमधाम से मनाया राज्योत्सव और दिवाली मिलन समारोह

दुबई (एजेंसी)। हजारों किलोमीटर दूर रहने के बावजूद छत्तीसगढ़ की संस्कृति और अपनी मिट्टी से जुड़ाव प्रवासी परिवारों के बीच कायम है। इसकी झलक दुबई में आयोजित राज्योत्सव और दिवाली मिलन समारोह में देखने को मिली। नाचा-यूएई (NACHA-UAE) के एनआरआई परिवार ने रविवार, 1 नवंबर 2026 को छत्तीसगढ़ राज्य का 26वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। दीपावली के अवसर पर आयोजित इस समारोह में संयुक्त अरब अमीरात में रहने वाले बड़ी संख्या में छत्तीसगढ़िया परिवार शामिल हुए।

नाचा-यूएई के अध्यक्ष अमित उपाध्याय के नेतृत्व में हुए इस आयोजन की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा के साथ हुई। पारंपरिक तरीके से पूजा-अर्चना कर मातृभूमि और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की गई। इसके बाद राज्योत्सव और दिवाली मिलन समारोह के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू हुआ। कार्यक्रम में प्रवासी छत्तीसगढ़िया समाज के अलग-अलग वर्गों की भागीदारी रही। व्यवसाय से जुड़े लोगों और नौकरीपेशा सदस्यों के साथ वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों ने भी उत्सव में हिस्सा लिया। छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य की प्रस्तुतियों ने समारोह में क्षेत्रीय संस्कृति के रंग बिखेरे। वहीं, 'कौन बनेगा छत्तीसगढ़ का बुद्धिमान' नाम की प्रश्नोत्तरी ने भी लोगों की दिलचस्पी बढ़ाई। इसमें छत्तीसगढ़ से जुड़े सवालों के जरिए प्रतिभागियों को अपनी जानकारी परखने का



मौका मिला। समारोह के दौरान प्रवासी सदस्यों के माता-पिता और आयोजन में सहयोग देने वाले अतिथियों एवं प्रतिनिधियों का सम्मान किया गया। इनमें डॉ. मनीष और डॉ. दिव्या त्रिपाठी, श्रीमती हनी थरवानी, सुमित साहनी और अली चिश्ती शामिल रहे।

आयोजन का एक खास हिस्सा 'अंतरराष्ट्रीय कला सहभागिता' पहल रही। इसके तहत 'छत्तीसगढ़ की संस्कृति और त्योहार' विषय पर बच्चों ने A4 आकार के कागज पर रंग-बिरंगे चित्र बनाए। इन कलाकृतियों के जरिए नन्हे कलाकारों ने अपनी मातृभूमि की संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों को चित्रों में उकेरा।

यह प्रदर्शनी प्रतियोगिता के बजाय बच्चों की रचनात्मक भागीदारी पर केंद्रित रही।

मित्रता के बाद अब पार्टी एनिमल्स में नजर आएंगे विराज घेलानी, बोले- फुल-ऑन मस्ती फिल्म है

मुंबई (एजेंसी)। एक्टर और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर विराज घेलानी अपनी नई फिल्म पार्टी एनिमल्स के साथ दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार हैं। दोस्ती, मस्ती और गलत फैसलों के चलते एक रात की कहानी पर बनी इस कॉमेडी फिल्म में विराज लीड रोल में नजर आएंगे। एक्टर ने फिल्म को फुल-ऑन मस्ती फिल्म बताया है। उनका कहना है कि इसमें दोस्ती, पागलपन और ऐसे हालात देखने को मिलेंगे, जो हर पल और मजेदार होते जाएंगे। विराज ने फिल्म को लेकर कहा, पार्टी एनिमल्स एक अलग तरह की फिल्म है। यह फुल-ऑन मस्ती फिल्म है। मैं काफी एक्साइटेड हूं कि दर्शक इसे बड़े पर्दे पर देखें। इसमें दोस्ती, पागलपन और ऐसे हालात हैं, जो लगातार और ज्यादा मजेदार होते जाते हैं। फिल्म की दुनिया में काफी एनर्जी है और दर्शक इससे खुद को जोड़ पाएंगे। मैं इंतजार नहीं कर सकता कि सभी इसे सिनेमाघरों में देखें।

यूडली फिल्म्स के बैनर तले बनी पार्टी एनिमल्स की कहानी मुंबई में सेट है। फिल्म में विराज घेलानी, मान पटेल का किरदार निभा रहे हैं, जबकि अर्जुन तनवर अरमान खन्ना के रोल में नजर आएंगे। दोनों बचपन के दोस्त हैं, जो एक रात पार्टी करने के लिए मिलते हैं। लेकिन उनकी यह मुलाकात जल्द ही मुश्किलों में बदल जाती है। रोमांटिक उलझनें, छोटी-छोटी बातों पर झगड़े और बिगड़ी परिस्थितियों को संभालने की उनकी कोशिशें मामले को और उलझा देती हैं।

फिल्म के प्रोड्यूसर सिद्धार्थ आनंद कुमार ने कहा, यह फिल्म बिना किसी झिझक के पागलपन, बेबाकी और अपने ही मजाक को समझने वाले अंदाज में आगे बढ़ती है। हम यह दिखाने की



कोशिश नहीं कर रहे कि फिल्म के किरदारों का हर फैसला सही है। असल में, उनके फैसले जितने खराब होते जाते हैं, कहानी उतनी ही मजेदार बनती जाती है। कभी-कभी चीजों को उनके हाल पर छोड़कर पागलपन को आगे बढऩे देना चाहिए।

रवि छाबडिय़ा के निर्देशन में बनी इस फिल्म को विक्रम मेहरा और सिद्धार्थ आनंद कुमार ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की कहानी अली हाजी, खुश मुल्लिक और वीर पंचाल ने लिखी है। इसमें प्रगति नागपाल, नकियाह हाजी, आलम खान, साकिब अयूब, कमलेश सावंत, अनिल चरंजीत, आरोन कौल, विजय पाटकर और मनोज जोशी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

पार्टी एनिमल्स की कहानी में हॉलीवुड की कॉमेडी फिल्मों द हैंगओवर, सुपरबैड और 21 जंप स्ट्रीट जैसी फिल्मों की झलक देखने को मिलेगी।

पार्टी एनिमल्स 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शरवानंद की फिल्म 'जॉर्ज कृष्ण' में मानसा वाराणसी की एंट्री

14 जनवरी 2027 को होगी प्रदर्शित

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेत्री मानसा वाराणसी दक्षिण भारतीय अभिनेता शरवानंद की आगामी फिल्म 'जॉर्ज कृष्ण से जुड़ गई हैं। फिल्म के निर्माताओं ने इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि मानसा इसमें मुख्य अभिनेत्री की भूमिका निभाएंगी। श्रीनू वैतला के निर्देशन में बन रही यह फिल्म तेजी से निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रही है।

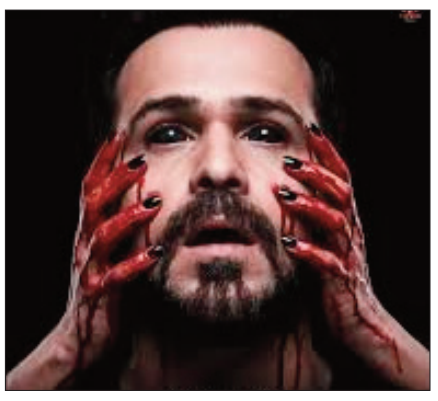
निर्माताओं ने एक दिन पहले फिल्म से जुड़ी नई जानकारी देने का संकेत दिया था। इसके बाद जारी ताजा घोषणा में मानसा वाराणसी के फिल्म का हिस्सा बनने की पुष्टि की गई।

निर्माताओं ने सामाजिक माध्यमों पर साझा संदेश में कहा कि मानसा और शरवानंद की जोड़ी बड़े पर्दे पर दर्शकों के लिए नई और दिलचस्प होगी। फिल्म को संक्रांति के अवसर पर प्रदर्शित करने की तैयारी है।

फिल्म में मानसा वाराणसी पारंपरिक और आकर्षक रूप में नजर आएंगी। उनकी भूमिका को लेकर फिलहाल अधिक जानकारी साझा नहीं की गई है। फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी अनूप रूबेन्स ने संभाली है, जबकि छायांकन केवी गुहान और संपादन अमर रेड्डी कुडुमुला कर रहे हैं।

एटीवी की प्रस्तुति में बन रही इस फिल्म का निर्माण एके एंटरटेनमेंट्स के बैनर तले रामाब्रह्मम सुनकारा कर रहे हैं। अजय सुनकारा सह-निर्माता के रूप में परियोजना से जुड़े हैं। 'जॉर्ज कृष्ण' 14 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

इमरान हाशमी की हॉरर फिल्म रूह का मोशन-पोस्टर जारी, 2027 में तीन भाषाओं में होगी प्रदर्शित



मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता इमरान हाशमी की आगामी संगीतमय हॉरर फिल्म 'रूह का पहला प्रचारात्मक चलचित्र पोस्टर निर्माताओं ने सामाजिक माध्यमों पर जारी कर दिया है। फिल्म की घोषणा इसी साल जून में की गई थी। मयंक शर्मा के निर्देशन में बनी यह रहस्य और रोमांच से भरपूर फिल्म इमरान हाशमी की हॉरर फिल्मों में वापसी मानी जा रही है।

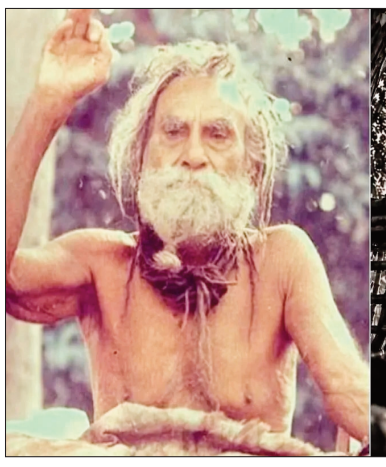
इमरान इससे पहले राज 2 और एक थी डायन जैसी फिल्मों में डरावनी भूमिकाओं के जरिए दर्शकों के सामने आ चुके हैं। रूह का निर्माण टिप्स फिल्म्स और विकेड फिल्म्स के सहयोग से किया जा रहा है। फिल्म की पटकथा मयंक शर्मा और विशाल कपूर ने संयुक्त रूप से लिखी है।

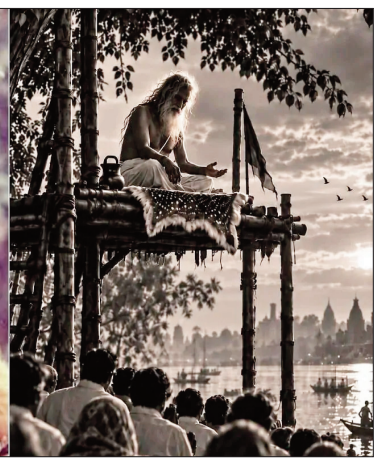
जारी किए गए प्रचारात्मक चलचित्र पोस्टर में एक घना और रहस्यमयी जंगल दिखाई देता है। इसी जंगल में एक पेड़ के पीछे इमरान हाशमी लंबे बालों और डरावने अंदाज में नजर आते हैं। पोस्टर के साथ सुनाई देने वाला तेज और भयावह संगीत फिल्म के डरावने माहौल को और प्रभावशाली बनाता है। इसके साथ निर्माताओं ने संदेश दिया है, 'डर जितना गहरा होगा, संगीत उतना ही बड़ा होगा।

फिलहाल फिल्म की कहानी और अन्य कलाकारों से जुड़ी जानकारी को गोपनीय रखा गया है। निर्माताओं के अनुसार, रूह वर्ष 2027 में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में प्रदर्शित की जाएगी। फिल्म के पहले पोस्टर के जारी होने के बाद दर्शकों में इसके कथानक और संगीत को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है।

हनुमान अंश की सफलता के बाद देवराहा बाबा पर बनेगी फिल्म 'मचान बाबा

मुंबई (एजेंसी)। नीम करौली बाबा से प्रेरित फिल्म 'हनुमान अंश की सफलता के बाद अब संत देवराहा बाबा के जीवन से प्रेरित फिल्म 'मचान बाबा बनने जा रही है। फिल्म का शीर्षक पोस्टर जारी कर दिया गया है। इसका निर्माण ब्रिटेन में स्थापित भारतीय मूल की कारोबारी पूनम गुप्ता ओबीई और अमेरिका में रहने वाले उद्यमी विकल्प पालीवाल कर रहे हैं। फिल्म को 2027 में रिलीज करने की योजना है। फिल्म का निर्माण ओजस फिल्म्स के बैनर तले किया जा रहा है। यह ओजस सॉफ्टेक की फिल्म और सामग्री निर्माण इकाई है। ओजस सॉफ्टेक के प्रमुख डिजिटल ब्रांडों में एस्ट्रोसेज एआई भी शामिल है, जो ज्योतिष और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जोडऩे वाला एक प्रमुख डिजिटल मंच है।





पूनम गुप्ता ब्रिटेन की कारोबारी दुनिया में 'पेपर क्वीन के नाम से भी जानी जाती हैं। उन्होंने ब्रिटेन में अपने कारोबारी समूह के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। वहीं, फिल्म के सह-निर्माता विकल्प पालीवाल का जन्म और पालन-पोषण लखनऊ में हुआ। वह वर्तमान में अमेरिका के टेक्सास राज्य के ऑस्टिन शहर में रहते हैं और सूचना प्रौद्योगिकी तथा अचल संपत्ति के कारोबार से जुड़े हैं।

'मचान बाबा की घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब भारतीय संत परंपरा और आध्यात्मिक व्यक्तित्वों से जुड़ी कहानियों में दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ रही है। हाल में नीम करौली बाबा से प्रेरित फिल्म 'हनुमान अंश की सफलता ने भी इस तरह की कहानियों की सिनेमाई संभावनाओं को रेखांकित किया है।

नीम करौली बाबा और देवराहा बाबा लगभग एक ही दौर में सक्रिय रहे थे। 'मचान बाबा के लिए किए जा रहे शोध के दौरान सामने आए संस्मरणों और मौखिक विवरणों में दोनों संतों की मुलाकातों का उल्लेख मिलता है। इन विवरणों के अनुसार, नीम करौली बाबा, देवराहा बाबा के प्रति विशेष सम्मान रखते थे।

फिल्म की निर्माता पूनम गुप्ता ओबीई ने कहा कि देवराहा बाबा का जीवन आध्यात्मिक दृष्टि के साथ-साथ ऐतिहासिक और मानवीय दृष्टिकोण से भी बेहद दिलचस्प है।

सेहत

शरीर को डिटॉक्स और रीढ़ को लचीला बनाता है अर्ध मत्स्येन्द्रासन

आधुनिक जीवनशैली और घंटों एक ही जगह बैठकर काम करने की आदत हमारे शरीर को नुकसान पहुंचाता है। योग के कई आसनों में से अर्ध मत्स्येंद्रासन एक ऐसा आसन है, जो हमारे पूरे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है। यह आसन रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है, पेट के अंगों को सही तरीके से काम करने में मदद करता है। अर्ध मत्स्येंद्रासन, हठयोग का एक प्रमुख और महत्वपूर्ण आसन है, जिसे महान योगी और हठयोग के प्रवर्तकों में से एक, महर्षि मत्स्येंद्रनाथ के नाम पर रखा गया। संस्कृत में अर्ध का अर्थ आधा, मत्स्य का अर्थ मछली और इंद्र का अर्थ राजा होता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर की सुप्त ऊर्जा जागृत होती है और रीढ़ का स्वास्थ्य उत्तम बना रहता है। यह आसन केवल शारीरिक व्यायाम नहीं,



बल्कि आंतरिक संतुलन प्राप्त करने की एक वैज्ञानिक विधि है।

यह एक प्रमुख ट्विस्टिंग (मोडऩे वाला) योगासन है, जो न केवल शरीर की जकडऩ को दूर करता है बल्कि आंतरिक अंगों की मालिश कर शरीर को डिटॉक्स (विषमुक्त) करने में भी मदद करता है। आइए, इस प्राचीन और लाभकारी आसन के महत्व, सही तकनीक और स्वास्थ्य लाभों को विस्तार से समझें। हठयोग प्रदीपिका में मूल रूप से मत्स्येंद्रासन (पूर्ण मत्स्येंद्रासन) का वर्णन मिलता है। आधुनिक योग अभ्यास में इसी आसन को सरल और सुलभ बनाने के लिए इसके आधे रूप यानी अर्ध मत्स्येंद्रासन का विकास किया गया। इस आसन का नाम नाथ संप्रदाय के महान योगी मत्स्येंद्रनाथ के नाम पर रखा गया है।

अर्ध मत्स्येंद्रासन करने का तरीका भी ज्यादा कठिन नहीं होता और नियमित अभ्यास करने पर इसके परिणाम साफ नजर आने लगते हैं। इस आसन को करने के दौरान शरीर को आधा मोड़ते हैं, जिससे शरीर में खून का संचार बेहतर हो जाता है और ऊर्जा का प्रवाह भी बढ़ता है। यही वजह है कि इसे सबसे बेहतरीन आसनों में से एक माना जाता है। इसके अलावा, यह आसन मधुमेह के मरीजों के लिए भी मददगार माना जाता है। पेट के हिस्से में खिंचाव होने से अग्न्याशय (पैंक्रियास) की कार्यक्षमता बेहतर होती है, जिससे इंसुलिन का स्राव संतुलित होता है। हालांकि, मधुमेह से जुड़े किसी भी अभ्यास को शुरू करने से पहले डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी होता है। **(एजेंसी)।**

आंतों में गुड बैक्टीरिया को सपोर्ट करने के लिए पीएं इन फलों के जूस, गट हेल्थ रहेगी बेहतर

अगर आप अपनी गट हेल्थ को बेहतर करना चाहते हैं तो अपनी डाइट में इन कुछ फलों के जूस को शामिल करें। इन ड्रिंक्स में प्रीबायोटिक्स, प्रोबायोटिक्स, फाइबर और पॉलीफेनोल्स होते हैं, जो आपके गट माइक्रोबायोम को सपोर्ट करते हैं और अच्छे गट बैक्टीरिया को पोषण देते हैं। डबल बोर्ड-सर्टिफाइड फिजिशियन और इंटरनल मेडिसिन और गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी एक्सपर्ट डॉ. जोसेफ सलहब ने अपने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर यह बताया है कि हेल्दी गट हेल्थ के लिए आप किन ड्रिंक्स का सेवन कर सकते हैं।

गट हेल्थ के लिए पिएं इन फलों के जूस

क्रैनबेरी जूसः क्रैनबेरी जूस में पॉलीफेनोल्स होते हैं, जो हेल्दी गट बैक्टीरिया को सपोर्ट करने में मदद कर सकते हैं। इसमें मौजूद बायोएक्टिव यौगिक प्रीबायोटिक की तरह काम कर सकते हैं, जो आंत के अच्छे बैक्टीरिया को पोषित करने में मदद करते हैं।

ब्लूबेरी जूसः ब्लूबेरी जूस एंथोसायनिन से भरपूर होता है। ये शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट हैं जो गट



माइक्रोबायोम के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। इसके जूस में मौजूद एंथोसायनिन आंत में पहुंचकर अच्छे जीवाणुओं को बढ़ाते हैं।

संतरे का जूसः संतरे के जूस में विटामिन सी और ऐसे प्लांट कंपाउंड्स होते हैं, जो पाचन स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं। इसके गूदे और फाइबरयुक्त हिस्से मल त्याग को नियमित रखते हैं, कब्ज से बचाते हैं और आंतों के अच्छे बैक्टीरिया को पोषित करते हैं। **(एजेंसी)।**

क्या अल्कलाइन वाटर पीने से पेट साफ होता है?

आजकल खानपान की गलत आदतें और भागदौड़ भरी जिंदगी के कारण पेट से जुड़ी समस्याएं होना आम हो गई हैं। कई लोग कब्ज,गैस,एसिडिटी और अपच जैसी समस्याओं से परेशान रहते हैं। ऐसे में इससे छुटकारा पाने के लिए लोग तमाम तरह के उपाय करते हैं। वहीं कुछ लोग से अल्कलाइन वाटर भी पीते हैं। इन दिनों अल्कलाइन वाटर का ट्रेंड बढ़ता जा रहा है। लेकिन एक सवाल जो लाखों लोगों के मन में रहता है वो है क्या अल्कलाइन वाटर पीने से पेट पूरी तरह साफ रहता है और पाचन तंत्र दुरुस्त होता है? डॉ. रिंकेश कुमार बंसल, निदेशक, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, FMRI गुड़गांव बता रहे हैं। चलिए जानते हैं।

एक आम धारणा है कि अल्कलाइन पानी पीने से पेट साफ होता है और मल त्याग बेहतर होता है। हालांकि, इस दावे का समर्थन करने के लिए सीमित वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध हैं। अल्कलाइन पानी का pH सामान्य पीने के पानी की तुलना में अधिक होता है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि इसमें पाचन को बेहतर बनाने या शरीर से विषैले पदार्थों को बाहर निकालने के विशेष गुण होते हैं। हमारा पाचन तंत्र स्वाभाविक रूप से भोजन को पचाने और शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मददगार होता है। भोजन के पाचन में मदद करने के लिए पेट में प्राकृतिक रूप से अत्यधिक अम्लीय वातावरण बना रहता है। अल्कलाइन पानी पीने से इस प्रक्रिया में कोई खास बदलाव नहीं आता, क्योंकि पेट में मौजूद एसिड पानी की अधिकांश क्षारीयता को निष्क्रिय कर देता है। अगर किसी व्यक्ति को कब्ज या अनियमित मल त्याग की समस्या है, तो अल्कलाइन पानी से सामान्य पानी की तुलना में कोई ज्यादा लाभ मिलने की संभावना नहीं है। ऐसी स्थिति में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना, फाइबर से भरपूर फूड्स लेना, फल, सब्जियां और साबुत अनाज खाना, नियमित शारीरिक गतिविधि करना और खाने तथा शौच की नियमित आदतें बनाए रखना बेहद महत्वपूर्ण है। यह समझना भी जरूरी है कि लंबे समय तक कब्ज, पेट फूलने या मल त्याग की आदतों में बदलाव को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

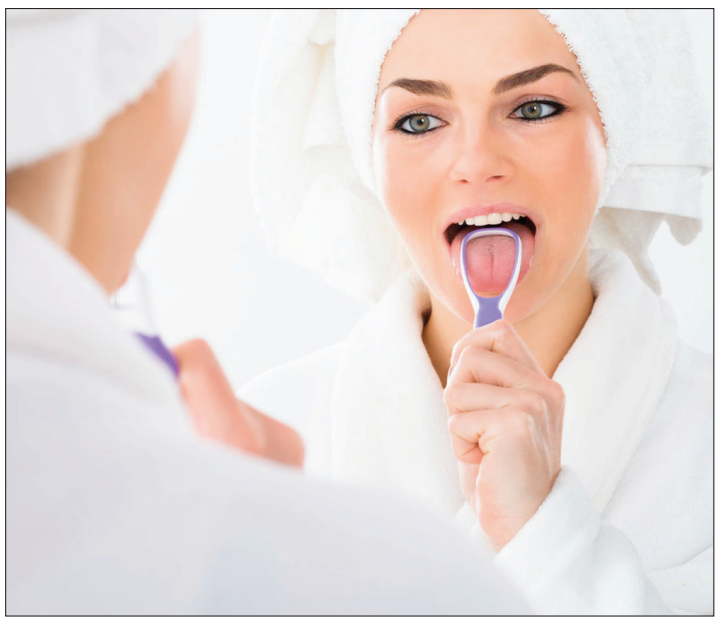
जीभ की सफाई को आसान बनाने के लिए अपनाएं ये 5 आदतें

जीभ की सफाई का ध्यान रखना मुंह की सेहत के लिए बहुत जरूरी है। अक्सर लोग ब्रश करते समय जीभ को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे कई समस्याएं हो सकती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी आदतें बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपनी जीभ को साफ और स्वस्थ रख सकते हैं। ये आदतें न केवल आपकी मुंह की सफाई को बेहतर बनाएंगी, बल्कि आपके मुंह की बदबू को भी कम करेंगी।

नियमित रूप से जीभ साफ करें

रोजाना ब्रश करने के बाद अपनी जीभ को साफ करना बहुत जरूरी है। ब्रश करते समय हल्के हाथों से जीभ पर भी ब्रश चलाएं। इससे आपकी जीभ पर जमा हुआ बैक्टीरिया और खाना हट जाएगा।

अगर आप हर बार ब्रश करते समय इसे नहीं कर पाते तो दिन में कम से कम एक बार जरूर अपनी जीभ को साफ करें। इससे आपके मुंह की बदबू कम होगी और आपकी सेहत बेहतर रहेगी।



जीभ की सफाई के लिए सही उपकरण का उपयोग करें

जीभ साफ करने के लिए सही उपकरण का चयन करना अहम है। बाजार में कई प्रकार के जीभ साफ करने वाले उपकरण मिलते हैं, लेकिन आपको वह चुनना चाहिए जो आपके लिए सबसे आरामदायक हो।

प्लास्टिक या स्टील के उपकरण अच्छे विकल्प हो सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि वे नरम हों ताकि जीभ पर किसी प्रकार की चोट न लगे।

इसके अलावा नियमित रूप से अपने उपकरण को भी साफ करें ताकि उसमें बैक्टीरिया न पनप सकें।

हल्के हाथों से जीभ पर ब्रश करें

जब आप अपनी जीभ को साफ करें तो हल्के हाथों से ही ब्रश करें। ज्यादा दबाव डालने से आपकी जीभ घायल हो सकती है और इससे दर्द भी हो सकता है।

हल्के हाथों से ब्रश करने पर बैक्टीरिया और गंदगी आसानी से हट जाती है बिना किसी चोट के।

आप चाहें तो जीभ साफ करने वाले उपकरण का भी उपयोग कर सकते हैं, लेकिन उसे भी हल्के हाथों से ही इस्तेमाल करें ताकि किसी प्रकार की समस्या न हो।

मुंह धोना न भूलें

ब्रश करने के बाद अपने मुंह को अच्छी तरह धोना न भूलें। गुनगुने पानी या किसी अच्छे मुंह धोने वाले तरल से अपने मुंह को धोएं ताकि सभी गंदगी और बैक्टीरिया हट जाएं। इससे आपका मुंह ताजा महसूस होगा और बदबू भी दूर होगी।

इसके अलावा यह आपकी मुंह की सफाई को भी बेहतर बनाएगा। ध्यान रखें कि मुंह धोने के बाद पानी न निगलें और कुछ समय तक खाने-पीने से बचें।

दांतों की जांच कराते रहें

भले ही आप घर पर अच्छी तरह से सफाई क्यों न करें, समय-समय पर दांतों की जांच कराना जरूरी है। डॉक्टर आपकी मुंह की सेहत का पता लगा सकते हैं और अगर कोई समस्या हो तो उसका सही इलाज बता सकते हैं।

इन सरल आदतों को अपनाकर आप अपनी जीभ को आसानी से साफ रख सकते हैं और अपने मुंह की सेहत को बेहतर बना सकते हैं। **(एजेंसी)।**

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

शुक्रवार 06 नवंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

चक्रवाती तूफान 'अर्नब' से प्रभावित फसलों का संयुक्त सर्वेक्षण जारी

बालोद। चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के कारण फसलों को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए जिले में कृषि विभाग एवं फसल बीमा कंपनी की संयुक्त टीम द्वारा सर्वेक्षण का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के संवेदनशील नेतृत्व में उनके निर्देशानुसार प्रभावित किसानों को शासन की फसल बीमा योजना के तहत नियमानुसार राहत दिलाने के लिए सर्वेक्षण कार्य प्राथमिकता से किया जा रहा है। इसी कड़ी में ग्राम भरदाकला, सिब्दी, जेवरतला एवं बोडेना में राजस्व कृषि विस्तार अधिकारी, फसल बीमा ब्लॉक कोऑर्डिनेटर, जनपद सदस्य प्रतिनिधि, सरपंच एवं संबंधित कृषकों की उपस्थिति में संयुक्त रूप से फसल क्षति का सर्वेक्षण किया गया। इस दौरान प्रभावित खेतों का निरीक्षण कर फसलों को हुए नुकसान का आकलन किया गया। सर्वेक्षण में जनप्रतिनिधियों एवं किसानों की सहभागिता से नुकसान की स्थिति का जायजा लिया गया, ताकि वास्तविक क्षति का सही आकलन किया जा सके। कृषि विभाग के उप संचालक ने बताया कि जिले के 10,400 किसानों ने फसल बीमा टोल-फ्री नंबर 14447 पर फसल क्षति की सूचना दी है। इन सूचनाओं के आधार पर कृषि विभाग एवं बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों द्वारा 31 अक्टूबर 2026 से खेतों का सर्वेक्षण प्रारंभ किया गया है।

बाइक से शराब की तस्करी करते दो आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद। शहर में अवैध शराब की बिक्री और परिवहन पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 9 लीटर देशी प्लेन और मसाला शराब के साथ शराब परिवहन में इस्तेमाल की जा रही बाइक भी जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार, 2 नवंबर की रात करीब 9:40 बजे गुड़रूपारा में कार्रवाई की गई। इस दौरान अंसार अली (35) और सुरेंद्र दास (32), निवासी वार्ड क्रमांक 8 नयापारा महासमुंद, को पकड़ा गया। उनके कब्जे से करीब 4500 रुपए कीमत की 9 लीटर शराब बरामद हुई। शराब परिवहन में इस्तेमाल बाइक क्रमांक सीजी-04 एलवी-2657 की कीमत करीब 15 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत अपराध दर्ज किया है।

10 लीटर शराब जब्त

महासमुंद। सांकरा थाना क्षेत्र में अवैध महुआ शराब बिक्री के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक ग्रामीण को पकड़ा है। आरोपी के कब्जे से 10 लीटर महुआ शराब बरामद की गई, जिसकी कीमत करीब 2 हजार रुपए आंकी गई है। पुलिस के मुताबिक, 3 नवंबर को दोपहर करीब 2:21 बजे ग्राम लोहारा कोट में कार्रवाई की गई। इस दौरान महेश कुमार सिन्हा (36) को अवैध रूप से महुआ शराब बिक्री के लिए रखे पाए जाने पर पकड़ा गया।

जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के लिए मास्टर ट्रेनर्स के प्रथम बैच का प्रशिक्षण संपन्न

राज्य में 25 जनवरी से 28 फरवरी 2027 तक होगा जनगणना का मैदानी कार्य

रायपुर ■ दैनन्दिनी

भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण अर्थात् मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य छत्तीसगढ़ में 01 से 30 मई 2026 तक सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अब दूसरे चरण की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। राज्य में इस चरण का मैदानी कार्य 25 जनवरी से 28 फरवरी 2027 तक किया जाएगा। इस दौरान प्रगणक घर-घर जाकर प्रत्येक परिवार के सदस्यों की गणना करेंगे।

जनगणना जैसे व्यापक राष्ट्रीय कार्य की सफलता के लिए प्रशिक्षित और दक्ष मानव संसाधन महत्वपूर्ण है। दूसरे चरण में राज्यभर में लगभग 66 हजार प्रगणक एवं पर्यवेक्षक मैदानी स्तर पर कार्य करेंगे। इनके प्रशिक्षण के लिए जिलों द्वारा 1,120 फील्ड ट्रेनर्स नामित किए गए हैं। फील्ड ट्रेनर्स को प्रशिक्षित करने के लिए जिलों से 47 और जनगणना कार्य निदेशालय से 13, कुल 60 मास्टर ट्रेनर्स नामित किए गए हैं। भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार, छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव के मार्गदर्शन तथा जनगणना के नोडल एवं गृह विभाग की राज्य नोडल अधिकारी श्रीमती निहारिका बारीक, प्रमुख सचिव और जनगणना कार्य निदेशालय, छत्तीसगढ़ के निदेशक श्री कार्तिकेया गोयल के दिशा-निर्देशों में मास्टर ट्रेनर्स का राज्यस्तरीय प्रशिक्षण नवा रायपुर अटल नगर स्थित प्रशासन अकादमी में



आयोजित किया जा रहा है।

प्रशिक्षण दो बैचों में आयोजित किया जा रहा है। प्रथम बैच का चार दिवसीय प्रशिक्षण 02 नवम्बर से शुरू होकर 05 नवम्बर को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। छत्तीसगढ़ के लिए नामित राष्ट्रीय प्रशिक्षक श्री अशोक मिश्र और श्री प्रदीप कुमार साव, दोनों संयुक्त निदेशक, ने प्रशिक्षण प्रदान किया।

प्रथम बैच में 16 जिलों में मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर- रामानुजगंज, सरगुजा, जशपुर, रायगढ़, कोरबा, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, मुंगेली, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, सक्ती, सारंगढ़-बिलाईगढ़, बलौदाबाजार-भाटापारा और खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के मास्टर ट्रेनर्स शामिल हुए। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को जनगणना के दूसरे चरण की प्रक्रिया, प्रश्नावली, प्रगणना की तकनीकी बारीकियों, मोबाइल एप्लीकेशन के उपयोग, आंकड़ों के संकलन और गुणवत्ता सुनिश्चित करने सहित विभिन्न विषयों की जानकारी दी गई। व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें आगे फील्ड ट्रेनर्स को प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देने के लिए तैयार किया गया।

प्रशिक्षण श्रृंखला का दूसरा बैच 16 से 19 नवम्बर 2026

प्रशिक्षण श्रृंखला का दूसरा बैच 16 से 19 नवम्बर 2026 तक प्रशासन अकादमी, नवा रायपुर अटल नगर में आयोजित होगा। इस बैच को भी दोनों राष्ट्रीय प्रशिक्षक प्रशिक्षण देंगे। मास्टर ट्रेनर्स के प्रशिक्षण के बाद वे जिला स्तर पर फील्ड ट्रेनर्स को प्रशिक्षित करेंगे। इसके बाद फील्ड ट्रेनर्स प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण देंगे। इस बहुस्तरीय व्यवस्था के माध्यम से राज्य के सभी जनगणना कार्यकर्ताओं को दूसरे चरण के लिए तैयार किया जाएगा।

माँ कामाख्या धर्मादा ट्रस्ट के ने किया दीया-बाती और मिठाई का वितरण

रायपुर ■ दैनन्दिनी

माँ कामाख्या धर्मादा ट्रस्ट के द्वारा दीपावली त्यौहार के पावन अवसर पर डगनिया बस्ती में रहने वाले लोगों को दीपावली स्पेशल सामान , (दीया, तेल, रुई बत्ती, लाई ,बताशा, मिष्ठान इत्यादि) दिया गया ताकि उनके घर भी दीप जल सके। संस्था का इस कार्य के पीछे का लक्ष्य सभी लोग के घरों को दीप की रौशनी से सजाना और चेहरों को मिष्ठान के संग मीठी मुस्कानों से सजाना था । इस कार्य में ट्रस्ट से संगठन प्रभारी डॉ. नीता गुरु गोस्वामी, जिला अध्यक्ष श्रीमती कल्पना शुक्ला, सुंदर नगर प्रभारी मनोरमा वाजपेई ,डगनिया प्रभारी लक्ष्मी अवस्थी,

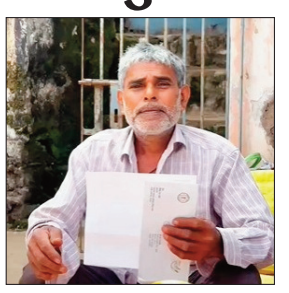


ओम सोसायटी से प्रभारी श्रीमती सरोज शुक्ला, राधा साहू, उपस्थित रही। ट्रस्टी अध्यक्ष परम पूज्य गुरुदेव श्री संकर्षण शरण जी (गुरुजी) ने इस पवित्र कार्यक्रम सबको साधुवाद दिए।

मुख्यमंत्री साय से स्थापना दिवस का शुभकामना पत्र पाकर खिला मुन्नालाल का चेहरा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने नगर पालिका मुंगेली के तिलक वार्ड निवासी श्री मुन्नालाल प्रजापति को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। पत्र में मुख्यमंत्री ने मिट्टी से दीये और विभिन्न प्रकार की मूर्तियां तैयार करने के उनके पारंपरिक हुनर की सराहना की है। मुख्यमंत्री की पाती शुभकामना संदेश पाकर श्री प्रजापति ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि पारंपरिक कारीगरों के हुनर को पहचान मिलना गर्व



और प्रोत्साहन की बात है। मुंगेली निवासी श्री मुन्नालाल ने बताया कि मिट्टी से सुंदर दीये, देवी-देवताओं की मूर्तियां और विभिन्न उपयोगी वस्तुएं तैयार करना उनका पारंपरिक हुनर है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना से मिले आर्थिक सहयोग ने उनके इस पारंपरिक व्यवसाय को आगे बढ़ाने का नया रास्ता खोला है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत उन्हें 05 प्रतिशत ब्याज दर पर एक लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ है। इस राशि से उन्हें कुम्हारी व्यवसाय के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था करने और अपने काम को बेहतर ढंग से संचालित करने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि योजना से मिले सहयोग ने अपने पारंपरिक हुनर को और विकसित करने तथा व्यवसाय को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने का आत्मविश्वास दिया है।



छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री रमेन डेका जी से आज राजभवन लोक भवन रायपुर में बिलासपुर के प्रमुख सामाजिक पर्यावरण संरक्षण संस्थान प्रकृति पुकारे वेलफेयर फाउंडेशन की संस्थापिका श्रीमती नीरजा सक्सेना ने सौजन्य से भेंट की इस शिष्टाचार मुलाकात के दौरान जलकुंभी के नव प्रयोग तथा उसके रेशे से वस्त्र निर्माण एवं पर्यावरण संरक्षण सामाजिक जागरुकता और बिलासपुर क्षेत्र में संस्था द्वारा किए जा रहे विभिन्न सेवा कार्यों पर सार्थक चर्चा हुई इस अवसर पर डॉक्टर मनीष सक्सेना भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

खुले में जुआ खेल रहे 8 जुआरी गिरफ्तार, 4450 नकद और ताश के पत्ते जब्त

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के राजहरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने खुलेआम जुआ खेल रहे 08 आरोपियों को धर दबोचा है। आरोपियों के कब्जे से ताश की गड्डियां और हजारों रुपए की नगदी बरामद की गई है। इस कार्रवाई से जुआरियों में हड़कंप मच गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजहरा पुलिस 04 नवंबर 2026 की शाम को नियमित पेट्रोलिंग पर थी। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सटीक सूचना मिली कि कुछ लोग शहर के सार्वजनिक और खुले स्थानों पर अवैध रूप से दांव लगा रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तुरंत एक्शन लिया और जेड-ई ऑफिस राजहरा के पास दो अलग-अलग स्थानों पर औचक दबिश (रेड) दी।

पहला मामला : चार आरोपी गिरफ्तार

पुलिस टीम ने पहली कार्रवाई के तहत एक जुए के फड़ पर छापा मारा। मौके से ताश के पत्तों के साथ जुआ खेल रहे चार आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लक्ष्मीनारायण उर्फ पिंटू सोनी (38 वर्ष, निवासी वार्ड क्र. 26), गोलू उर्फ पिंटू चिकवा (33 वर्ष, निवासी वार्ड क्र. 25), उपेंद्र कुमार उर्फ रिंकू देवांगन (28 वर्ष, निवासी वार्ड क्र. 24) और संतोष चिकवा (38 वर्ष, निवासी वार्ड क्र. 25, सभी निवासी राजहरा, थाना राजहरा, जिला बालोद) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से 52 पत्ती ताश और कुल 2100 रुपए नगदी बरामद की।

दूसरा मामला : चार अन्य जुआरी धरे गए

ठीक उसी क्षेत्र में दूसरी जगह पर चलाए गए छापेमारी अभियान में पुलिस ने चार अन्य युवकों को जुआ खेलते हुए पकड़ा। दूसरे फड़ से पकड़े गए आरोपियों में राजा वर्मा (20 वर्ष), सोनू ठगेल (30 वर्ष), पिंटू खस (28 वर्ष) (सभी निवासी वार्ड क्र. 25) और मनीष निषाद (26 वर्ष, निवासी वार्ड क्र. 26, थाना राजहरा, जिला बालोद) शामिल हैं। पुलिस ने इस फड़ से कुल 2350 रुपए नगद और अन्य सामग्रियां जब्त कीं। दोनों मामलों में पुलिस ने कुल 08 आरोपियों के विरुद्ध 'छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022' की धारा 3(2) के तहत कड़ा कानूनी प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की है। यह सफल कार्रवाई पुलिस अधीक्षक बालोद किरण गंगाराम चव्हाण और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंद्रकांत गवर्ना के कुशल निर्देशन, सीएसपी राजहरा विकास पाटले के मार्गदर्शन तथा राजहरा थाना प्रभारी निरीक्षक सुनील तिर्की के नेतृत्व में पूरी की गई।

प्रेस क्लब की गतिविधियों और आयोजनों को स्मारिका में मिली जगह, सुशांत शुक्ला ने किया विमोचन

पत्रकारों की मौजूदगी में हुआ आयोजन, अध्यक्ष अजीत मिश्रा का जन्मदिन भी मनाया

रायपुर ■ दैनन्दिनी

बिलासपुर प्रेस क्लब ने अपनी गतिविधियों और सामाजिक दायित्वों को जनमानस तक पहुंचाने की दिशा में एक और पहल की है। वर्ष 2026 में अब तक आयोजित कार्यक्रमों, गतिविधियों और उपलब्धियों को संकलित कर प्रेस क्लब की स्मारिका प्रकाशित की गई है।

बुधवार को राघवेंद्र राव सभा भवन स्थित प्रेस क्लब परिसर में आयोजित समारोह में बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने स्मारिका का विमोचन किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेस क्लब अध्यक्ष अजीत मिश्रा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष तिलकराज सलूजा और वीरेंद्र गहवई उपस्थित रहे। इस अवसर पर शहर के लगभग सभी पत्रकारों की मौजूदगी ने आयोजन को गरिमामय बना दिया।

स्मारिका में वर्ष 2026 के दौरान प्रेस क्लब की ओर से





आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों को स्थान दिया गया है। इसके माध्यम से प्रेस क्लब की संगठनात्मक गतिविधियों के साथ सामाजिक सरोकारों और रचनात्मक पहलों को भी दस्तावेज के रूप में सहेजने का प्रयास किया गया है। आयोजन में उपस्थित अतिथियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे पत्रकारिता जगत की गतिविधियों को संकलित करने का अच्छा प्रयास बताया।

ये भी रहा खास संयोग

स्मारिका विमोचन समारोह का दिन प्रेस क्लब अध्यक्ष अजीत मिश्रा के लिए दोहरी खुशी लेकर आया। बुधवार को ही उनका जन्मदिन भी था। ऐसे में स्मारिका विमोचन के उत्साह के बीच पत्रकारों ने केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया और शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर गीत-संगीत का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें पत्रकारों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। विमोचन समारोह के साथ जन्मदिन का यह संयोग आयोजन को और यादगार बना गया।

तीन दिन में दो मुख्य प्रमोटरों पर शिकंजा कसने से कांग्रेस का सट्टा सिंडिकेट बेनकाब : भाजपा

प्रदेश प्रवक्ता सुनील चौधरी की खरी-खरी : महादेव सट्टा एप मामले में पूर्व मुख्यमंत्री बघेल की बौखलाहट उजागर

रायपुर ■ दैनन्दिनी

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सुनील चौधरी ने महादेव ऑनलाइन सट्टा एप मामले में केंद्रीय जाँच एजेंसियों की त्वरित और निर्णायक कार्रवाई का स्वागत करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर तीखा हमला बोला है। श्री चौधरी ने कहा कि तीन दिन के भीतर महादेव सट्टा एप के मुख्य प्रमोटर सौरभ चंद्राकर के प्रत्यर्पण और अब सह-प्रमोटर रवि उप्पल की दुबई में गिरफ्तारी ने यह साफ कर दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसी भी भ्रष्टाचारी या आर्थिक अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री चौधरी ने कहा कि महादेव सट्टा एप घोटाले की एफआईआर में भूपेश बघेल स्वयं छठे नंबर पर नामजद आरोपी हैं। जो व्यक्ति खुद हजारों करोड़ रुपये के संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग के इस काले कारोबार में संदिग्ध और आरोपी के रूप में जाँच के दायरे में है, वह आज जाँच एजेंसियों की निष्पक्ष प्रक्रिया पर सवाल उठाने का दुस्साहस कर



रहा है। चोर मचाए शोर की तर्ज पर बघेल जनता का ध्यान भटकाने के लिए मनगढ़ंत बयानबाजी कर रहे हैं। श्री चौधरी ने लुकआउट सर्कुलर को लेकर बघेल द्वारा उठाए जा रहे सवालों को उनकी प्रशासनिक अज्ञानता और हताशा का परिचायक बताया और कहा कि लुकआउट नोटिस तब जारी किया जाता है जब किसी आरोपी के अपराध करने के बाद देश छोड़कर विदेश भागने की आशंका होती है। बघेल यह भूल रहे हैं कि जब छत्तीसगढ़ में उनकी सरकार थी, तब उनके संरक्षण और प्रशासनिक शिथिलता के चलते ही इस सट्टा एप के सरगना आराम से देश छोड़कर विदेश भागने में सफल रहे थे। जो आरोपी पहले ही देश से बाहर भाग चुके थे, उनके लिए अब लुकआउट नोटिस जारी करने की मांग करना बघेल के राजनीतिक पाखण्ड और कानूनी समझ के खोखलेपन को उजागर करता है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री चौधरी ने कहा कि कांग्रेस के पाँच वर्षों के कुशासन में छत्तीसगढ़ को सट्टेबाजों और हवाला कारोबारियों की सुरक्षित शरणस्थली बना दिया गया था। नौकरशाहों और राजनेताओं तक करोड़ों रुपये का अवैध कमीशन पहुँचाया जाता था। अब जब सीबीआई और ईडी जैसी केन्द्रीय जाँच एजेंसियाँ विदेश में बैठे मुख्य सिंडिकेट ऑपरेटरों को एक-एक कर कानून के शिकंजे में ला रही हैं, तब कांग्रेस और भूपेश बघेल की जमीन खिसक चुकी है। श्री चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार कानून के राज और पारदर्शी जाँच के लिए प्रतिबद्ध है। महादेव सट्टा एप के जरिए प्रदेश और देश के युवाओं को बर्बाद करने वाले किसी भी दोषी को, चाहे वह दुबई में बैठा प्रमोटर हो या रायपुर में बैठा उनका राजनीतिक संरक्षक, कानून के कठघरे में खड़ा होकर अपने कर्मों का हिसाब देना ही पड़ेगा।

:- संपादकीय :-

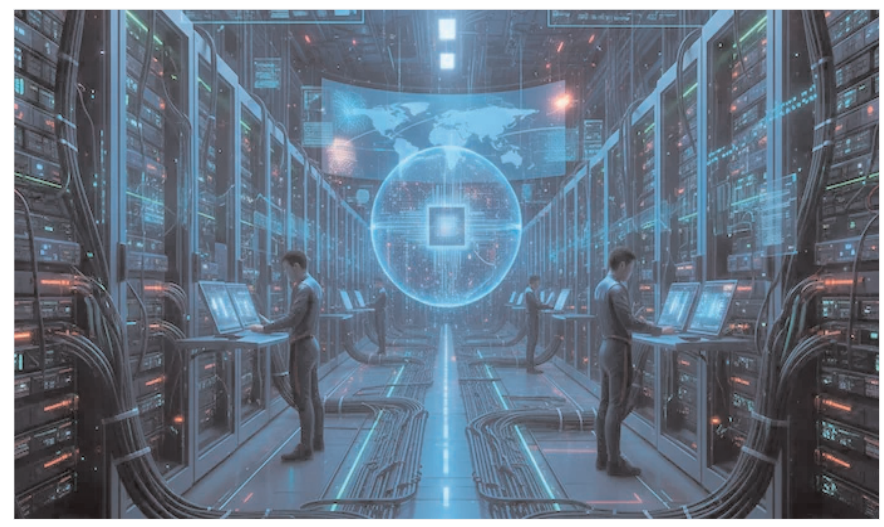
मनमानी के प्रतीक

स्थानीय निवासी अपनी आजीविका, जल स्रोतों, पुश्तैनी जमीनों, और सांस्कृतिक पहचान के हनन का विरोध करते हैं, तो उनके खिलाफ सख्त कदम स्थिति को और अधिक बिगाड़ देते हैं। अतः सरकार को संवाद का रास्ता चुनना चाहिए।अरुणाचल प्रदेश में सियांग बांध का विरोध तेज होने के साथ ही सरकार ने युवा आंदोलनकारियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। कम-से-कम 47 लोगों पर मुकदमे दायर किए गए हैं। 26 लोग गिरफ्तार किए गए हैं, जिनमें पांच नाबालिग बताए जाते हैं। केंद्र ने रैपिड एक्शन फोर्स की टुकडि?ां वहां भेजी हैं। अशांति की स्थिति में प्रशासनिक कार्रवाई के औचित्य से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन बेहतर यह होगा कि वहां के हालात को सिर्फ कानून-व्यवस्था की समस्या ना मानी जाए। समझा जाता है कि सियांग परियोजना पर अमल में तेजी तिब्बत में चीन के बांध बनाने के निर्णय के मद्देनजर लाई गई है।चीन के बांध से संभावित चुनौती का मुकाबला करने की पूर्व-तैयारी अपने-आप में समस्याग्रस्त सोच नहीं है। लेकिन इस दौरान स्थानीय निवासियों की इस राय को अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि सियांग नदी पारंपरिक रूप से उनकी जिंदगी का सहारा रही है। इसलिए उस नदी के बहाव या उसकी प्राकृतिक संचरना में कोई परिवर्तन करने से पहले लोगों की सहमति पाना जरूरी है। वरना, यह परियोजना ऐसे जन असंतोष का कारण बन सकती है, जो चीन से लगे उस सीमाई इलाके में एक स्थायी नासूर बन जाए। मणिपुर गुजरे साढ़े तीन साल से सुलग रहा है। ऐसे में उत्तर-पूर्व के एक और राज्य की आबादी में आक्रोश पैदा करने का जोखिम नहीं उठाया जा सकता।यह समझने की बात है कि जब स्थानीय निवासी अपनी आजीविका, जल स्रोतों, पुश्तैनी जमीनों, और सांस्कृतिक पहचान के हनन के खिलाफ आवाज उठाते हैं, तो उनके खिलाफ दमनकारी कदमों का इस्तेमाल स्थिति को और अधिक बिगाड़ देता है। अतः सरकार को तुरंत सभी सख्त कदमों और जबरन फैसले थोपने की प्रवृत्ति पर विराम लगाते हुए व्यापक जन संवाद शुरू करना चाहिए। ग्राम सभाओं, बुद्धिजीवियों, पर्यावरण विशेषज्ञों और प्रभावित नागरिकों को इस प्रक्रिया में समान भागीदार बनाकर उनकी चिंताओं का पारदर्शी समाधान निकाला जाना चाहिए। उससे विकास एवं राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रक्रिया में स्थानीय आवाम की सहभागिता बनाई जा सकेगी। वरना, उस क्षेत्र के लोग सियांग डैम को सत्तातंत्र की मनमानी के प्रतीक रूप में देखते रहेंगे।

भारत का उभरता सुपरकंप्यूटिंग परितंत्र

ललित गर्ग ।

नियमित कंप्यूटरों के विपरीत, सुपर कंप्यूटर को बहुत उच्च गति पर बड़ी मात्रा में डेटा को संसाधित करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें कई प्रोसेसर या कंप्यूटिंग नोड्स का उपयोग किया जाता है जो एक साथ काम करते हैं। यह उन्हें पारंपरिक कंप्यूटरों की तुलना में जटिल समस्याओं को बहुत तेजी से हल करने में मदद करता है। इन नोड्स के बीच उच्च गति कनेक्शन उन्हें बड़े पैमाने पर गणना के दौरान कुशलता से डेटा का आदान-प्रदान करने में सक्षम बनाते हैं। एनएसएम के तहत, भारत ने सुपरकंप्यूटिंग में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने पर केंद्रित एक परितंत्र स्थापित किया है। इसमें सुपर कंप्यूटर डिजाइन, विकास, विनिर्माण, सिस्टम सॉफ्टवेयर और विशेष अनुप्रयोग शामिल हैं। यह बढ़ती स्वदेशी क्षमता आयातित प्रौद्योगिकियों पर निर्भरता को कम कर सकती है। यह देश के घरेलू उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग परितंत्र को भी मजबूत करता है। एनएसएम ने पूरे देश में विभिन्न शैक्षणिक/अनुसंधान संस्थानों में 123 पीएफ से अधिक की संचयी क्षमता वाले कुल 50 सुपर कंप्यूटर स्थापित करने की योजना बनाई है। ये प्रणालियां अपनी प्रसंस्करण क्षमताओं के आधार पर विविध कम्प्यूटेशनल जरूरतों को पूरा करती हैं।



भारत की सुपरकंप्यूटिंग यात्रा 1990 के दशक की शुरूआत में परम 8000 से विकसित होकर 2015 में शुरू किए गए राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के तहत एक राष्ट्रीय परितंत्र में बदल गई है। सितंबर 2026 तक 40 सुपर कंप्यूटरों द्वारा 68 पीएफ (पेटाफ्लॉप्स) यानी काफी तेज गणना देने के साथ, एनएसएम उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) तक अपना विस्तार कर रहा है। मिशन ने कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी, मौसम भविष्यवाणी एवं जलवायु मॉडलिंग, आपदा प्रबंधन, बिग डेटा एनालिटिक्स और खगोल भौतिकी में कम्प्यूटर अनुप्रयोगों को संभव बनाते हुए स्वदेशी सर्वर, सॉफ्टवेयर, कूलिंग और नेटवर्किंग प्रौद्योगिकियां भी विकसित की हैं।

देश की सुपरकंप्यूटिंग क्षमताओं का निर्माण

फसल पैदावार की भविष्यवाणी करने और बीमारी के प्रकोप पर नज? रखने से लेकर दवा की खोज में तेजी लाने और नदी की बाढ़ के कारण प्रभावित क्षेत्रों की भविष्यवाणी करने तक, उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग सामाजिक अनुप्रयोगों का समर्थन करती है जो रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करते हैं। वे बड़े पैमाने पर डेटासेट को संसाधित करने में मदद करते हैं और जलवायु, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य देखभाल और इंजीनियरिंग में जटिल सिमुलेशन का समर्थन करते हैं। वे तेजी से विश्लेषण भी संभव करते हैं और शोधकताओं को जटिल वैज्ञानिक चुनौतियों का तेजी से समाधान करने में मदद करते हैं। वैज्ञानिक खोज और तकनीकी नवाचार में तेजी लाने के लिए यह आवश्यक होता जा रहा है।

सुपर कंप्यूटर उच्च प्रदर्शन वाले कंप्यूटिंग सिस्टम हैं जिन्हें असाधारण गति पर जटिल गणनाओं को संभव बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। वे एक साथ कई गणनाएं करने के लिए बड़ी संख्या में प्रोसेसर को जोड़ते हैं। यह शोधकताओं को बड़े पैमाने पर डेटासेट का विश्लेषण करने और परिष्कृत सिमुलेशन को कुशलतापूर्वक चलाने में सक्षम बनाता है। इसलिए सुपर कंप्यूटर उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान और रणनीतिक अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा प्रदान करते हैं।देश का बढ़ता डिजिटल परितंत्र उन्नत कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे की मांग को बढ़ा रहा है। भारत दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत डेटा उत्पन्न करता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मौसम पूर्वानुमान और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण कंप्यूटिंग क्षमताओं की जरूरत होती है। इसलिए सरकार अनुसंधान संस्थानों में सुपरकंप्यूटिंग तक पहुंच का विस्तार कर रही है। यह प्रयास स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करता है और भारत के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करता है।भारत के उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सम्मेलन का दूसरा संस्करण एस्टिक (ईएसटीआईसी)-2026 27 से 29 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में रचनात्मक दिमाग, विज्ञान को उत्प्रेरत करना और प्रौद्योगिकी को सशक्त बनाना विषय के तहत आयोजित किया जाएगा। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की ओर से आयोजित ईएसटीआईसी-2026 उभरते विज्ञान और प्रौद्योगिकी के मोर्चे को आगे बढ़ाएगा। इनमें सुपरकंप्यूटिंग और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। यह सम्मेलन रणनीतिक सहयोग को उत्प्रेरित करेगा और देश के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण का समर्थन करेगा। 12 विषयगत क्षेत्रों में फैले इस कार्यक्रम में पूर्ण सत्र, तकनीकी चर्चा और प्रदर्शनियां होंगी।

राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन के पीछे की रणनीति-देश की कंप्यूटिंग क्षमताओं को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार ने अप्रैल 2015 में राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) शुरू किया। इस मिशन को लगभग 4,500 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ लॉन्च किया गया था। इस मिशन को संयुक्त रूप से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) संचालित करता है।

इस मिशन का उद्देश्य सुपरकंप्यूटिंग में आत्मनिर्भरता बढ़ाना और देश की उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग क्षमताओं को मजबूत करना है। इस मिशन में वैज्ञानिक और तकनीकी डोमेन में अनुसंधान, विकास और समस्या-समाधान के लिए सुपरकंप्यूटिंग के उपयोग को बढ़ावा दिया जाता है। यह सामाजिक अनुप्रयोगों के लिए समाधान के विकास का भी समर्थन करता है। यह मिशन देश में विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी सुपरकंप्यूटिंग परितंत्र स्थापित करना चाहता है।

सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक), पुणे और भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु इस मिशन को आगे बढ़ाते हैं। एनएसएम एक 'बिल्ड दृष्टिकोण' का अनुसरण करता है जिसमें स्वदेशी सुपरकंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे को बनाने के लिए तीन समवर्ती चरण शामिल हैं: असेंबली, विनिर्माण और डिजाइन एवं विनिर्माण समर्थन। यह दृष्टिकोण स्वदेशी क्षमताओं के विकास के साथ कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे के विस्तार को जोड़ता है।

राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी गुम हुई पुरानी वस्तु आज वापस मिल जाएगी। साथ ही, आपको निवेश में लाभ होगा। इस राशि के लोगों को आज जीवनसाथी से गिफ्ट मिल सकता है, जिससे आप दोनों के रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी। आज दूसरों की बात को भी अच्छे से समझने की कोशिश करें, इससे आपको लाभ मिलेगा। आज आप किसी अपने की मदद भी कर सकते हैं।

वृष राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज किसी बड़े मामले पर समझौता करने और सहयोग करने के लिए आप तैयार रहें। आपके रुके हुए काम आज पूरे हो जाएंगे। इस राशि के लोग आज अपने जीवनसाथी को लेकर किसी धार्मिक स्थल पर जा सकते हैं। नवविवाहित लोगों के लिए आज का दिन बहुत ही अच्छा है। आज कई महत्वपूर्ण कामों में बदलाव भी होंगे, इस स्थिति में किस्मत आपका साथ देगी।

मिथुन राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज प्रोजेक्ट में आपको अपने जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, जो आगे सफलता के लिए मददगार साबित होगा। ऑफिस के कामों में दूसरों की राय लेने से बचें, बेहतर यही होगा कि किसी अपने की मदद लें, तो काम आसानी से सफल होंगे। आपकी मेहनत आज आपके जीवन में सफलता के नए रंग भर देगी। आज पारिवारिक रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी।

कर्क राशिः आज के दिन आपको धन लाभ होगा। आज किसी अजनबी से बहस न करें। पैसों के लेन-देन के मामले में किसी भी तरह का निर्णय लेने से पहले बड़ों की सलाह जरूर लें। अपने ध्यान को केंद्रित कर काम को पूरा करने की कोशिश करें। उसे नजरअंदाज करें। इस राशि के स्टूडेंट्स किसी तरह का परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं या इंटरव्यू में जा सकते हैं।

सिंह राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका रुझान रचनात्मक कार्यों की तरफ ज्यादा रहेगा। नया वाहन खरीदने के लिए आज का दिन शुभ है। साथ ही, घर की साज-सजावट के लिए घरेलू उपकरणों से जुड़ी खरीदारी करने के लिए भी आज का दिन बहुत अच्छा है।

कन्या राशिः कन्या राशि के लोगों के लिए आज का दिन बहुत लकी है। जो लोग मिट्टी के व्यवसाय से जुड़े हैं, उनके लिए आज का दिन बेहद फायदेमंद रहेगा। आज अपनी मेहनत और अच्छे व्यवहार के कारण आपको धनलाभ होगा। शत्रु पक्ष आज आपके प्रभाव से पस्त रहेगा। इस राशि के लोगों को पारिवारिक सुख और शांति का लाभ मिलेगा, साथ ही आपके आपसी रिश्तों में मधुरता आएगी।

तुला राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। आज आप अपने कामों में कामयाबी का परचम लहराएंगे। अगर आप नया वाहन खरीदने की सोच रहे हैं, तो खरीद सकते हैं। व्यापार में आपको भारी लाभ मिलने के आसार नजर आ रहे हैं।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज किसी कार्य को पूरा करने का आपका प्रयास सफल रहेगा। आज परिजनों से शुभ समाचार मिलेंगे और आपके आत्मसम्मान में वृद्धि होगी। आज किसी व्यक्ति विशेष से आपको महत्वपूर्ण मदद मिल सकती है। आज ऑफिस में सरलता से कार्य को पूरा करने की कोशिश करें, अपनी मेहनत के मुताबिक आपको पूरी सफलता हासिल होगी।

धनु राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। व्यापारी वर्ग के लोगों को अच्छा धनलाभ होगा। अगर किसी नए व्यापार की शुरूआत करना चाह रहे हैं, तो आज का दिन अनुकूल है। इस राशि के लोगों को अपने जीवनसाथी से आज बहुत सारा प्यार मिलेगा, साथ ही आप कहीं धार्मिक स्थल पर जाने का मन बना सकते हैं। आय के नए स्रोत मिलने से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी।

मकर राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आपका मनोबल ऊंचा रहने के कारण आपके कार्य अच्छी गति से आगे बढ़ेंगे। आज बिजनेस में बदलाव के आसार दिखाई दे रहे हैं। ऑफिस में आपकी क्रिएटिविटी पहले से और अधिक अच्छी बनेगी।

कुंभ राशिः आज आपको अपने कार्यक्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल होने वाली है। साथ ही, किसी विदेशी कंपनी से जॉब का ऑफर भी आ सकता है, जिसे ज्वाइन करना आपके लिए बेहद फायदेमंद रहेगा। आज अपने वाहन की पार्किंग सेफ जगह पर ही करें। आज अचानक धन लाभ होने के प्रबल योग बने हुए हैं।

मीन राशिः आज आपका दिन आपके जीवन में नई खुशियां लेकर आएगा। आपका रुझान अध्यात्म के प्रति अधिक रहेगा। माता-पिता के साथ किसी मंदिर में दर्शन के लिए जा सकते हैं, हालांकि यात्रा या ट्रिप के लिए बनाया हुआ

सू- दोकू क्र.208

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.207 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

नजरिया | कमलेश पांडे ।

डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन DPDP कानून क्या है? इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती क्यों दी गई है?

सरकार अब मीडिया को मिली बेलगाम स्वतंत्रता को नियंत्रित करना चाहती है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बाद मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा खुफिया रिपोर्टों के बाद ही ऐसे सख्त कानून अमल में लाए जाने की सोची गई। डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया की खबरी अराजकता और सनसनीखेज झूठ सच न्यूज से जनता भी भ्रमित हो जाती है।भारत में डिजिटल निजता की रक्षा के लिए बनाया गया डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन अधिनियम, 2023 अब व्यक्तिगत गोपनीयता और प्रेस की स्वतंत्रता के बीच संतुलन को लेकर एक बड़ी कानूनी बहस का विषय बन गया है। लेकिन उससे भी बड़ी बहस की बात यह है कि आखिर मीडिया की आड़ में कब तक कुछेक संस्थान विपक्ष के लिए फर्जी न्यूज प्लांट करेंगे, विदेशी दूतावासों से सांठ- गांठ करके महत्त्वपूर्ण मंत्रालयों और विभिन्न संस्थाओं की खुफिया गिरी करेंगे?शायद यही वजह है कि सरकार अब मीडिया को मिली बेलगाम स्वतंत्रता को नियंत्रित करना चाहती है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बाद मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा खुफिया



रिपोर्टों के बाद ही ऐसे सख्त कानून अमल में लाए जाने की सोची गई। डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया की खबरी अराजकता और सनसनीखेज झूठ सच न्यूज से जनता भी भ्रमित हो जाती है।उल्लेखनीय है कि 27 अक्टूबर 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने 21 प्रमुख समाचार संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाली डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन की याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा। अदालत ने तत्काल अंतरिम रोक लगाने से इनकार किया और मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर के लिए निर्धारित की।इस विवाद का मूल प्रश्न यह है कि, क्या किसी व्यक्ति की डिजिटल निजता की रक्षा करते हुए पत्रकारों को भ्रष्टाचार, अनियमितताओं और जनहित से जुड़े मामलों की स्वतंत्र जांच करने की पर्याप्त छूट मिलनी चाहिए?पहला सवाल है कि उद्धउद्ध कानून क्या है? तो यह जान लीजिये कि इसका पूरा नाम है। यह कानून डिजिटल माध्यमों से जुड़े व्यक्तिगत डेटा के संग्रह, इस्तेमाल और सुरक्षा के लिए बनाया गया है। इसका उद्देश्य लोगों की निजी जानकारी का दुरुपयोग रोकना और डेटा का इस्तेमाल करने वाले संस्थानों की जवाबदेही तय करना है। उदाहरण के लिए, किसी व्यक्ति का नाम, फोन नंबर, पता, डिजिटल पहचान या उससे जुड़ी अन्य व्यक्तिगत जानकारी किसी संस्था के पास हो, तो उस जानकारी का इस्तेमाल कानून के अनुरूप होना चाहिए।कानून के अंतर्गत डेटा संभालने वाली संस्था को और जिस व्यक्ति का डेटा है, उसेकहा जाता है। सामान्यतः डेटा के इस्तेमाल के लिए सहमति या कानून में निर्धारित वैध आधार जरूरी होता है। उल्लंघन के कुछ मामलों में अधिकतम 250 करोड़ तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है।दूसरा सवाल यह है कि आखिर इस कानून को लेकर विवाद क्यों खड़ा हुआ? तो जवाब होगा कि,

एक, पत्रकारिता के लिए स्पष्ट छूट का अभावः समाचार रिपोर्टिंग और खोजी पत्रकारिता को कानून में विशेष छूट नहीं दी गई है। प्रकाशकों का कहना है कि भ्रष्टाचार या किसी सार्वजनिक अनियमितता की जांच करते समय पत्रकार को संबंधित व्यक्ति की जानकारी इस्तेमाल करनी पड़ सकती है। यदि सहमति और अन्य डेटा-सुरक्षा नियमों का पालन हर मामले में अनिवार्य हुआ, तो जांच प्रभावित हो सकती है।दो, खबर हटाने या उसमें बदलाव का दबाव की आशंकाः प्रकाशकों को शक है कि डेटा मिटाने के अधिकार और सहमति वापस लेने से जुड़े प्रावधानों का इस्तेमाल प्रकाशित खबरों को हटवाने या बदलवाने के लिए किया जा सकता है।

विचार

किसानों की हित में फैसलों से मजबूत हो रही छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था



छत्तीसगढ़ की पहचान देश के धान के कटोरे के रूप में है। यहां की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण जीवन का मजबूत आधार कृषि और किसान हैं। किसानों की समृद्धि को प्रदेश के विकास का आधार मानते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने बीते तीन वर्षों में कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने, आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने, खेती को आधुनिक बनाने और कृषि व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के प्रयासों का व्यापक असर दिखाई दे रहा है। बीते तीन वर्षों में लगभग 437 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी और किसानों को 1.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था में धान खरीदी के महत्व को रेखांकित करता है। मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में लगभग 144.92 लाख मीट्रिक टन और वर्ष 2024-25 में लगभग 149.25 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई। वर्ष 2025-26 में भी लगभग 142 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन हुआ। इन तीन खरीफ सीजन में लगभग 437 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई और किसानों को लगभग 1.40 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। यह व्यवस्था किसानों को उनकी उपज का मूल्य उपलब्ध कराने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रही है। किसानों के हित में मंत्रिपरिषद ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में 15 नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। इस वर्ष 27.50 लाख से अधिक किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से

कुदरती उफान पर भारी नेताओं के तूफान

असली संकट यह है कि प्रकृति के तूफानों का अनुमान लगाया जा सकता है, नेताओं के तूफानों का नहीं। प्रकृति का तूफान गुजर जाता है, नेता का तूफान फिर लौट आता है।तूफानों के नाम रखने की परंपरा बड़ी दिलचस्प है। मौसम विभाग तूफानों को पहचानने के लिए नाम देता है। अब तक नाम बड़े मासूम हुआ करते थे। कभी बिपरजॉय, कभी दाना, कभी रेमल। नाम सुनकर लगता था कि तूफान नहीं, किसी कवि का नाम है। लेकिन अब वक्त आ गया है कि इस परंपरा में सुधार किया जाए।तबाही मचाने वाले तूफानों के नाम उन्हीं लोगों पर रखे जाने चाहिए, जो तबाही मचाने के लिए जगत-प्रसिद्ध हैं। वैसे हाल के तूफान का नाम अर्नब रखा गया।ट्रंप के नाम पर भी तूफान हो सकता था। ट्रंप तूफान जब आता है, तो टैरिफ, धमकी और उलटबांसियां साथ लाता है। सुबह दोस्ती, दोपहर में टैक्स, शाम को माफी का संकेत और रात को फिर टैक्स। मौसम विभाग को समझना चाहिए कि कुछ तूफान बादलों से नहीं, बयानों से पैदा होते हैं और उनका पूवार्नुमान सिर्फ उतना सटीक होता है, जितना कल का बयान आज के बयान से मेल खाए।पाकिस्तान के आतंकियों के नाम पर भी तूफानों के नाम होने चाहिए। मसूद, हाफिज सईद जैसे नाम तूफानों के रखे जाएं। दुष्ट दाऊद, आतंकी असीम जैसे नाम रखे जाने का वक्त आ गया है अब।वैसे, पाकिस्तान को देख लीजिए। पाकिस्तान की हिम्मत हूतियों से लड़ने की नहीं हो रही। पर लड़ने की रकम पाकिस्तान पहले ही सऊदी अरब से वसूल चुका है, लेकिन अब लड़ने की हिम्मत नहीं हो रही। हूती सऊदी अरब के लिए मुसीबत बने हुए हैं। पाकिस्तान की हालत उस आदमी जैसी है, जो पूरे मोहल्ले को धमकाता है, लेकिन सामने कोई भारी-भरकम आदमी आ जाए, तो अचानक मोबाइल देखने लगता है। भारत के खिलाफ बयानबाजी में उसकी ऊर्जा कभी कम नहीं पड़ती, लेकिन हूतियों के सामने रणनीतिक बहादुरी को आराम की जरूरत पड़ जाती है।बांग्लादेश की राजनीति भी कम रोचक नहीं है। भारत से लड़ना भी है और भारत से रियायतें भी मांगनी हैं। यह वैसा है, जैसे कोई दुकानदार से झगड़ा करे कि तुम्हारा सामान घटिया है और फिर उसी से उधार भी मांग ले। नाराजगी दिखानी है, पर बिजली, व्यापार और संपर्क भी चालू रखना है। यानी दुश्मनी भी चाहिए और डिस्काउंट भी। अंतरराष्ट्रीय राजनीति का यह नया बिजनेस मॉडल है। पहले आंखें दिखाओ, फिर कटोरा बढ़ाओ। रियायत मिल जाए तो कूटनीतिक विजय, न मिले तो राष्ट्रीय स्वाभिमान का मुद्दा!अब मौसम विभाग को नाम तय करने के लिए अंतरराष्ट्रीय राजनीति के विशेषज्ञ रखने चाहिए।

शब्द सामर्थ्य -208

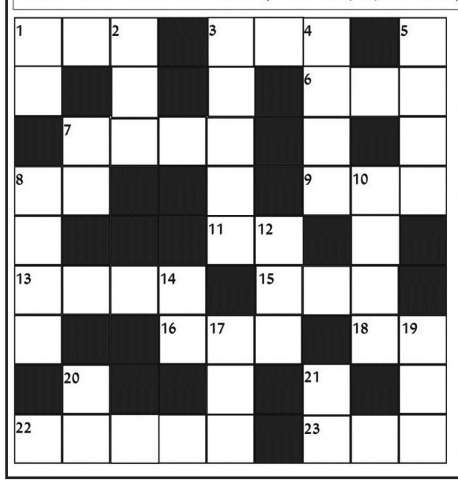
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. हृदय, उर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अरेही 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 207 का हल

चु	स्त	■	मु	■	सं	स्था	न	■
ग	■	म	र्दा	न	गी	■	त	म
ली	प	ना	■	■	त	न	■	■
■	ना	ना	■	■	■	■	ज	■
मा	ह	■	रा	■	सा	ज	न	■
न	■	स	ह	दे	व	■	म	द
व	■	म	■	व	न	ज	■	ल
ता	क	त	व	र	■	मी	■	द
■	ल	ल	क	■	क	र	त	ल

शिक्षक के निलंबन पर उठे सवाल, बहाली के लिए लामबंद हुए पालक और ग्रामीण

कोपरा स्कूल की बिगड़ती शिक्षा व्यवस्था पर फूटा आक्रोश, शाला प्रबंधन समिति ने जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

गरियाबंद :- विकासखंड फिंगेश्वर के शासकीय नवीन पूर्व माध्यमिक शाला कोपरा में शिक्षक जितेंद्र कुमार पारधी के निलंबन का मामला अब तूल पकड़ने लगा है। निलंबन के बाद विद्यालय में शिक्षकों की कमी और प्रभावित होती पढ़ाई को लेकर शाला प्रबंधन समिति, पालकों एवं ग्रामीणों ने मोर्चा खोल दिया है। 4 नवंबर को जिला शिक्षा अधिकारी के नाम सौंपे गए ज्ञापन में शिक्षक की बहाली, निष्पक्ष जांच और पुनः कोपरा विद्यालय में पदस्थापना की मांग की गई है।

समिति के अनुसार, विद्यालय पहले ही शिक्षकों की कमी से जूझ रहा था। शिक्षिका धनकेश्वरी वर्मा के युक्तियुक्तकरण के तहत देवभोग स्थानांतरण के बाद तीन शिक्षकों ने आपसी सहयोग और प्रति शिक्षक एक हजार रुपये की व्यवस्था से अध्यापन कार्य सुचारु रखने का प्रयास किया था।

लेकिन शिक्षक जितेंद्र कुमार पारधी के निलंबन के बाद विद्यालय में महज दो शिक्षक रह गए हैं, जिससे विशेषकर अंग्रेजी विषय की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

विलंब से पहुंचने पर निलंबन, विभागीय कार्रवाई पर सवाल!

ज्ञापन में बताया गया है कि शिक्षक पारधी की आकस्मिक अस्वस्थता और अस्पताल जाने के कारण विद्यालय पहुंचने में विलंब हुआ था। इस संबंध में स्पष्टीकरण देने और भविष्य में ऐसी गलती नहीं दोहराने का आश्वासन देने के बावजूद पहले वेतन कटौती और बाद में निलंबन की कार्रवाई किए जाने पर समिति ने आपत्ति जताई है।

गंभीर शिकायतों पर नरमी दूसरे मामले में सख्ती क्यों?

समिति ने पूर्व प्रधानपाठक धर्मेंद्र सिंह ठाकुर के विरुद्ध छात्राओं से संबंधित अनुचित स्पर्श एवं मारपीट की शिकायतों का उल्लेख करते हुए विभागीय कार्रवाई के कथित दोहरे मापदंड पर सवाल उठाए हैं। आवेदन में कहा गया है कि उक्त मामले में निलंबन के बजाय अन्य विद्यालय में व्यवस्था की गई, जबकि बाद में पदोन्नति भी हुई। ऐसे में समिति ने सवाल उठाया है कि विभागीय कार्रवाई में समानता और निष्पक्षता का पैमाना आखिर क्या है? दोनों मामलों की परिस्थितियों और कार्रवाई की पारदर्शी समीक्षा की मांग भी की गई है।

तीन प्रमुख मांगें, नहीं तो स्कूल में तालाबंदी!

शाला प्रबंधन समिति ने शिक्षक जितेंद्र कुमार पारधी के निलंबन की निष्पक्ष समीक्षा, निलंबन समाप्त कर सेवा में बहाली तथा उन्हें पुनः कोपरा विद्यालय में पदस्थ करने की मांग की है। साथ ही पूर्व प्रधानपाठक से संबंधित शिकायतों की भी पारदर्शी जांच कर विभागीय कार्रवाई की समीक्षा करने का आग्रह किया है।समिति ने दो टूक चेतावनी दी है कि यदि जल्द मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो पालक एवं ग्रामीण विद्यालय में तालाबंदी करने को मजबूर होंगे, जिसकी जिम्मेदारी विभागीय अधिकारियों की होगी।





जिला शिक्षा अधिकारी की अनुपस्थिति में ग्रामीणों ने सांख्यिकी अधिकारी श्याम चंद्राकर को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने शीघ्र व्यवस्था बहाल करने का आश्वासन दिया है। अब निगाहें शिक्षा विभाग के अगले कदम पर टिकी हैं।

विडंबना यह है कि जिस विद्यालय में बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए शिक्षकों की जरूरत है, वहां शिक्षक की वापसी के लिए पालकों को आंदोलन की चेतावनी देनी पड़ रही है।

सवाल सिर्फ एक शिक्षक की बहाली का नहीं, बल्कि उन बच्चों के भविष्य का है, जिनकी पढ़ाई विभागीय फैसलों के बीच प्रभावित हो रही है।

राज्य अलंकरण से सम्मानित किसान पुन्नी भट्ट ने कलेक्टर से की मुलाकात, जिले का बढ़ाया मान



कलेक्टर ने पुष्पगुच्छ भेंटकर दी बधाई, कहा- उनकी सफलता जिले के किसानों के लिए बनेगी प्रेरणा

कवर्धा, (दैनंदिनी ब्यूरो)। कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्य अलंकरण से सम्मानित कबीरधाम जिले के ग्राम बरबसपुर निवासी प्रगतिशील किसान श्री पुन्नी भट्ट ने गुरुवार को कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति से सौजन्य मुलाकात की।

इस अवसर पर कलेक्टर ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंटकर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने कहा कि श्री पुन्नी भट्ट ने अपनी मेहनत, लगन और कृषि के प्रति समर्पण से जिले का गौरव बढ़ाया है। उनकी यह उपलब्धि जिले के अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि प्रगतिशील किसानों के नवाचार और सफलता से दूसरे किसान भी आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने तथा खेती को लाभकारी बनाने के लिए प्रोत्साहित होंगे।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 3 नवंबर को नवा रायपुर में आयोजित राज्य अलंकरण समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने श्री पुन्नी भट्ट को कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया। यह सम्मान उनकी वर्षों की मेहनत और कृषि के प्रति समर्पण का प्रतिफल है। उनकी इस उपलब्धि से कबीरधाम जिले का मान प्रदेश स्तर पर बढ़ा है।

समाज कल्याण कार्यालय में हरियाली की पहल औषधीय और फलदार पौधों से संवरा परिसर

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। पर्यावरण संरक्षण केवल भाषणों और जागरूकता अभियानों तक सीमित न रहे, बल्कि सरकारी कार्यालयों की कार्यसंस्कृति का भी हिस्सा बने। इसी सोच के साथ जिला कार्यालय समाज कल्याण कबीरधाम में हरियाली को बढ़ावा देने की पहल की गई है। कार्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के औषधीय, फलदार, फूलदार और सजावटी पौधों का रोपण कर परिसर को हरित स्वरूप देने का प्रयास किया गया है।



कार्यालय परिसर में लगाए गए पौधे न केवल वातावरण की सुंदरता बढ़ा रहे हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता और हरित जीवनशैली का संदेश भी दे रहे हैं। यहां विभिन्न रंगों के कनेर, गुड़हल, टिकोमा, अमरूद, बोगनवेलिया, गोल्डन धुरंधा, अपराजिता, पारिजात, मधुकामिनी, मधुमालती, डगर, कचनार, मीठा नीम और आम सहित कई प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं।

इसके अलावा गेंदा, विभिन्न रंगों की सेवंतियां, रेन लिली, केना जैसे फूलदार पौधों के साथ स्नेक प्लांट, स्पाइडर प्लांट, एरिका पाम, चाइना पाम, डाइफेनबैखिया, एग्लोनिमा, मनी प्लांट और क्रोटन जैसे इनडोर एवं आउटडोर सजावटी पौधों से भी कार्यालय परिसर को सजाया गया है।

इस पहल का महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि बागवानी को केवल सौंदर्यीकरण तक सीमित नहीं रखा गया है। औषधीय और फलदार प्रजातियों के पौधों का समावेश पर्यावरणीय संतुलन, हरित आवरण बढ़ाने तथा प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देता है।

फूलदार पौधों से परिसर में रंग और प्राकृतिक आकर्षण बढ़ता है, वहीं छायादार एवं हरित पौधे कार्यालय के वातावरण को अधिक अनुकूल बनाने में सहायक हो सकते हैं।

जिला कार्यालय समाज कल्याण कबीरधाम में उपसंचालक श्रीमती अभिलाषा पण्डा के साथ सहायक ग्रेड-03 श्री सत्यम कुमार कौशिक, कम्प्यूटर ऑपरेटर श्री रामचरण पटेल, श्री विनायक सिंह ठाकुर एवं श्री मोहित सिन्हा, भृत्य श्री वेदराम कौशिक, वाहन चालक श्री संजय कुमार यादव तथा माली/डॉकरनर श्री सुखनंदन निषाद कार्यरत हैं। कार्यालय की इस हरित पहल में पौधों का रोपण, रखरखाव और नियमित देखभाल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सरकारी कार्यालयों में अक्सर भवनों और सुविधाओं के विकास पर ध्यान दिया जाता है, लेकिन परिसर में हरियाली विकसित करने और उसे संरक्षित रखने की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

समाज कल्याण कार्यालय की यह पहल दूसरे शासकीय कार्यालयों के लिए भी प्रेरणा बन सकती है। हालांकि पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उनके नियमित संरक्षण, सिंचाई और संवर्धन से ही यह प्रयास स्थायी परिणाम दे सकेगा।

तरेगांव जंगल डकैती कांड में कबीरधाम पुलिस की बड़ी सफलता, जमशेदपुर तक पहुंची जांच

लूटे गए चांदी के जेवर खरीदने और गलाने वाले दो आरोपियों समेत चार अन्य गिरफ्तार, अब तक सात आरोपी पुलिस की गिरफ्त में करीब 13 किलो चांदी के आभूषण व गली हुई चांदी, नगदी और दो मोटरसाइकिल बरामद

-विकाश शुक्ला

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। तरेगांव जंगल थाना क्षेत्र के ग्राम दुर्जनपुर मछरीरेवार मंदिर घाटी के पास सराफा व्यवसायी से हुई सनसनीखेज डकैती के मामले में कबीरधाम पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मामले में लगातार कार्रवाई करते हुए अब तक कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जांच बिलासपुर से होते हुए झारखंड के जमशेदपुर तक पहुंची, जहां लूटे गए चांदी के जेवर खरीदने और उन्हें गलाने में संलिप्त दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से करीब 11.9 किलोग्राम चांदी के आभूषण, 1.124 किलोग्राम गली हुई चांदी, नकदी और दो बजाज पल्सर एनएस मोटरसाइकिल सहित अन्य सामग्री बरामद की गई है।

पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार, अमित कुमार पटेल एवं अखिलेश कौशिक के मार्गदर्शन में पुलिस की अलग-अलग टीमें लगातार आरोपियों की तलाश और लूटे गए सामान की बरामदगी में जुटी हुई थीं।

पुलिस के अनुसार, 27 अक्टूबर 2026 को ग्राम दुर्जनपुर मछरीरेवार मंदिर घाटी के पास आरोपियों ने सराफा व्यवसायी वेदप्रकाश सोनी का रास्ता रोककर डंडे और हाथ-मुक्कों से मारपीट की थी। इसके बाद उनके पास मौजूद बैग में रखे पुराने एवं नए चांदी के आभूषण, करीब 15 ग्राम सोना और नकदी लूटकर फरार हो गए थे। पीड़ित की रिपोर्ट पर थाना तरेगांव जंगल में



अपराध क्रमांक 20/2026 के तहत बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपियों तक पहुंची पुलिस

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने घटनास्थल सहित आसपास के क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाया। इस दौरान 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए। तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण और मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई। जांच में सुनियोजित तरीके से डकैती की वारदात को अंजाम देना सामने आने पर प्रकरण में बीएनएस की धारा 310(2) एवं 310(4) भी जोड़ी गई।

-पहले चरण में तीन आरोपी गिरफ्तार, 11.9 किलो चांदी बरामद-

पुलिस ने 31 अक्टूबर को कार्रवाई करते हुए निखिल कुर्रे, संजय भास्कर और सचिन पात्रे को गिरफ्तार किया। आरोपियों की निशानदेही पर करीब 11.9 किलोग्राम चांदी के आभूषण, एक बजाज पल्सर एनएस मोटरसाइकिल और 1,500 रुपये नकद बरामद किए गए।

बिलासपुर से पकड़े गए दो फरार आरोपी

इसके बाद पुलिस ने फरार आरोपियों अरुण उर्फ अन्नू बंजारे और प्रेम उर्फ प्रीतम उर्फ ब्रो उर्फ बोरो घृतलहरे की तलाश तेज की। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर दोनों को बिलासपुर से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने लूटे गए चांदी के आभूषणों का एक हिस्सा बेचकर 1 लाख 2 हजार रुपये प्राप्त करना बताया। पुलिस ने अरुण के कब्जे से 34 हजार रुपये और प्रेम उर्फ प्रीतम के कब्जे से 50 हजार रुपये, कुल 84 हजार रुपये बरामद किए।

-जमशेदपुर में बेचे गए थे लूट के जेवर, गलाकर बनाई चांदी-

मामले की जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि लूटे गए चांदी के कुछ आभूषण जमशेदपुर में बेचे गए हैं। इसके बाद पुलिस टीम आरोपी प्रेम उर्फ प्रीतम को साथ लेकर झारखंड के जमशेदपुर पहुंची। वहां सुमंतो घोड़ाई उर्फ कोबो और उसके परिचित सुरेश नाना माने से पूछताछ की गई।

पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में सुमंतो घोड़ाई ने बताया कि 29 अक्टूबर को प्रेम उर्फ प्रीतम एक अन्य व्यक्ति के साथ लूटे गए चांदी के करधन और पायल बेचने उसके पास आया था। इसके बाद वह दोनों को सुरेश नाना माने के पास ले गया, जहां चांदी के आभूषणों को गलाकर करीब 1.124 किलोग्राम चांदी तैयार की गई। इसे 1 लाख 14 हजार रुपये में बेचा गया। इसमें से 1 लाख 2 हजार रुपये प्रेम उर्फ प्रीतम को दिए गए, जबकि 12 हजार रुपये अपने पास रखने और खर्च करने की बात सामने आई।

पुलिस ने सुरेश नाना माने की निशानदेही पर लाल रंग के थैले में रखी करीब 1.124 किलोग्राम गली हुई चांदी, जिसकी कीमत लगभग 1 लाख 14 हजार रुपये बताई गई है, गवाहों की मौजूदगी में जब्त कर सीलबंद की।

लूटे गए जेवरों को जानते हुए खरीदने और उनकी बिक्री में सहयोग करने के आरोप में सुमंतो घोड़ाई उर्फ कोबो और सुरेश नाना माने के विरुद्ध प्रकरण में बीएनएस की धारा 317(2) जोड़ी गई। दोनों आरोपियों को 4 नवंबर को गिरफ्तार कर जमशेदपुर न्यायालय से ट्रांजिट रिमांड लिया गया। इसके बाद उन्हें कबीरधाम लाया गया और 5 नवंबर को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

-पुलिस अधीक्षक की सतत मॉनिटरिंग से मिली सफलता-

पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव द्वारा गंभीर एवं संगठित अपराधों की लगातार समीक्षा और मॉनिटरिंग की जा रही थी। उनके निर्देश पर तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर तंत्र और विभिन्न जिलों के बीच समन्वय स्थापित कर आरोपियों की पतासाजी की गई। दुर्जनपुर डकैती कांड में घटनास्थल से लेकर बिलासपुर और जमशेदपुर तक पहुंचकर सात आरोपियों की गिरफ्तारी तथा लूटे गए सामान की बरामदगी पुलिस की प्रभावी कार्रवाई मानी जा रही है।

-इन अधिकारियों और पुलिस टीमों की रही अहम भूमिका-

पूरी कार्रवाई में पुलिस अनुविभागीय अधिकारी अजाक/साइबर प्रशांत देवांगन, थाना तरेगांव जंगल प्रभारी निरीक्षक संग्राम सिंह, साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक उमाशंकर राठौर, बोड़ला थाना प्रभारी निरीक्षक रूपक शर्मा, पंडरिया थाना प्रभारी निरीक्षक अजय सिन्हा, पांडातराई थाना प्रभारी निरीक्षक कमलाकांत शुक्ला, कुकदुर थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष मिश्रा सहित विभिन्न थानों की पुलिस टीमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अस्थायी पटाखा दुकानों में अग्नि सुरक्षा के संबंध में सावधानियां बरतने के निर्देश

महासमुन्द। अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं तथा राज्य आपदा मोचन बल के निर्देशानुसार आगामी दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए नगर सेना, नवा रायपुर द्वारा जिले में संचालित समस्त स्थायी एवं अस्थायी पटाखा दुकानों में अग्नि सुरक्षा के संबंध में सावधानियां बरतने हेतु निर्देश जारी किए गए हैं।

इसी तारतम्य में जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी, नगर सेना महासमुन्द द्वारा जिले के सभी पटाखा दुकानदारों एवं आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन करें, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। पटाखा दुकानों के लिए अग्नि सुरक्षा के लिए दिए गए दिशा निर्देश में पटाखा दुकान अज्वलनशील सामग्री (जैसे टीन शेड) से निर्मित होनी चाहिए, किसी भी प्रकार के कपड़ा, बांस, रस्सी या टेंट से नहीं।

प्रत्येक दुकान के बीच कम से कम तीन मीटर की दूरी रखी जाए तथा दुकानें आमने-सामने न बनाई जाएं। प्रकाश व्यवस्था के लिए तेल का लैम्प, गैस लैंप या खुली बिजली बत्ती का उपयोग न करें। किसी भी पटाखा दुकान से 50 मीटर के दायरे में आतिशबाजी प्रदर्शन प्रतिबंधित रहेगा।

CHHATTISGARH STATE RENEWABLE ENERGY DEVELOPMENT AGENCY
(Dept. of Energy, Govt. of Chhattisgarh)
VIP Road (Airport Road), Near Energy Education Park, Raipur (C.G.)
Tel.: 94062-10918 E-mail: credatendercell@gmail.com Web: www.creda.co.in
NIT Ref. No. 10445/CREDA/SWHS/2026-27 Date: 04.11.2026

NOTICE INVITING BID (2nd Call)

CREDA invites Online Bids, for "Standardization of rates for supply, installation and commissioning of solar water heating systems of ETC & FPC model of various capacities including 5 years CMC and onsite warranty anywhere in state of Chhattisgarh" from BIS/MNRE approved manufacturer or authorized dealer having experience in the field of Design, Supply, Installation, Testing and Commissioning of Solar Water Heating System.

Last date of submission of Online Bid : 19.11.2026 till 05:00 PM
Opening of Online Bid : 23.11.2026 03:00 PM onwards

Technical Bid and Price Bid shall be submitted online only at "https://www.gem.gov.in" However Technical Bid (as per the checklist) also has to be submitted duly signed hard copy at CE (Tender Cell), CREDA H.O. Bidders are advised to follow the instructions provided for Registration and e-Submission Process accordingly. (For any query about e-bidding please visit user manual at "https://www.gem.gov.in")

Tender document with all terms and conditions is available at **www.creda.co.in** and at **https://www.gem.gov.in**

CREDA reserves all rights to accept/reject any or all bids in full/part without assigning any reasons.

संवाद आरओ नं.-49722/2 Chief Engineer CREDA

यूईएफए चैंपियंस लीग: लिवरपूल को फेनरबाचे ने 3-2 से हराया

इस्तांबुल (एजेंसी)। यूईएफए चैंपियंस लीग में सुक्रू साराकोग्लू स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में लिवरपूल की टीम को फेनरबाचे के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। फेनरबाचे ने जोरदार वापसी करते हुए लिवरपूल को 3-2 से हराया। लिवरपूल को लगातार तीन जीत के बाद पहली हार मिली, जबकि तुर्की की टीम फेनरबाचे ने सीजन की पहली जीत दर्ज की।



लिवरपूल ने 25वें मिनट में 19 साल के ट्रे न्योनी के गोल की मदद से बढ़त बनाई। इसके बाद मेजबान टीम ने पलटवार किया और 4 मिनट बाद बराबरी कर ली। मेसन ग्रीनवुड की फ्री-किक लिवरपूल की दीवार में जेरेमी जैक्वेट से टकराकर एलिसन बेकर के पास से निकल गई। इंटरवल के बाद जब मुकाबला बराबरी पर था, तो लिवरपूल के मैनेजर एंडोनी इराओला ने अलेक्जेंडर इसाक और कोडी गाकपो को मैदान में उतारा। इस कदम से कुछ देर के लिए मैच उनकी टीम के पक्ष में जाता दिखा।

69वें मिनट में सब्स्टीट्यूट खिलाड़ियों ने मिलकर अच्छा काम किया, जिसमें गाकपो ने कोस्टास सिमिकास के साथ जुड़ने के बाद बाईं ओर से गोल किया। इसाक ने बॉक्स के अंदर से हेडर मारकर लिवरपूल को 2-1 से आगे कर दिया।

फेनरबाचे ने फिर ठीक 4 मिनट बाद बराबरी कर ली। शॉर्ट कॉर्नर के बाद एनगोलो कांटे की डिलीवरी को गाकपो ने गलती से दूसरी तरफ मोड़ दिया, जिससे आर्ची ब्राउन को एलिसन की जगह से बाहर होने पर दूर के पोस्ट पर गोल करने का मौका मिल गया।

ब्राउन ने गोल करके टीम को जीत दिलाई, जब लिवरपूल एक लंबा थ्रो क्लियर नहीं कर पाया तो गेंद को वापस पेनल्टी एरिया में भेज दिया। डिफेंडरों से घिरे होने के बावजूद, मुरीकी को हेडर से दाएं कोने में गेंद पहुंचाने के लिए काफी जगह मिली। 79 वें मिनट में लगाए गए इस गोल के साथ ही फेनरबाचे ने 3-2 से जीत पक्की कर ली।

यूथ ओलंपिक : तन्वी ने रचा इतिहास, सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला शटलर बनीं

डकार (सेनेगल)(एजेंसी)। । तन्वी पत्री ने यूथ ओलंपिक गेम्स के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी बनकर इतिहास रच दिया है। बुधवार को डकार में खेले गए विमेंस सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में तीसरी वरीयता प्राप्त तन्वी सातवीं वरीयता प्राप्त थाईलैंड की काकानिक कुंगकाव को 21-17, 21-13 से शिकस्त देकर यूथ ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला शटलर बनीं। 39 मिनट तक चले इस मुकाबले में जीत के बाद अब तन्वी को मेडल सुनिश्चित करने के लिए एक और मैच जीतना होगा। इससे पहले सिर्फ तीन भारतीय शटलर ही यूथ ओलंपिक में बैडमिंटन के सेमीफाइनल तक पहुंच पाए हैं। साल 2010 में सिंगापुर में हुए पहले यूथ ओलंपिक में एचएस प्रणॉय ने रजत पदक जीता था, जबकि 2018 में ब्यूनस आयर्स में हुए खेलों में लक्ष्य सेन उपविजेता रहे थे। साल 2014 में आदित्य जोशी लड़कों के सिंगल्स वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचे थे, लेकिन उन्हें कोई पदक नहीं मिल सका था।



अब तन्वी के पास इतिहास रचने का सुनहरा मौका है। सेमीफाइनल में जीत उन्हें यूथ ओलंपिक में बैडमिंटन पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बना देगी। अगर वह सेमीफाइनल हार जाती हैं, तो भी उनके पास ब्रॉन्ज मेडल के लिए मुकाबला करने का एक और मौका होगा।

सेमीफाइनल में तन्वी का सामना जापान की युजुनो वातानाबे से होगा, जिनके खिलाफ वह पहले भी एक बार खेल चुकी हैं। दोनों खिलाड़ी 2024 में थाईलैंड में हुई पाथुम थानी जूनियर इंटरनेशनल सीरीज में आमने-सामने आए थे, जहां तन्वी को 14-21, 10-21 से हार का सामना करना पड़ा।

डकार यूथ ओलंपिक गेम्स की बैडमिंटन प्रतियोगिता में पुरुष और महिला एकल इवेंट शामिल हैं, जिनमें हर कैटेगरी में 32 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। यह प्रतियोगिता दो चरणों (ग्रुप स्टेज और उसके बाद नॉकआउट) में खेली जा रही है।

खिलाड़ियों को चार-चार के आठ ग्रुप में बांटा गया था, जिसमें प्रत्येक खिलाड़ी को अपने ग्रुप के शेष तीन खिलाड़ियों का सामना करना था। हर ग्रुप का विजेता नॉकआउट स्टेज में पहुंचा।

ऑकलैंड वनडे में सिर्फ 2 विकेट लेकर अंशुल कंबोज ने जीता प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच में पांच मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला ऑकलैंड के ईडन पार्क में 4 नवंबर को खेला गया जिसको शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया डकवर्थ लुईस नियमानुसार 5 विकेट से अपने नाम करने में कामयाब रही।

कप्तान गिल ने इस मुकाबले में हालात को ध्यान में रखते हुए प्लेइंग 11 में चार प्रमुख तेज गेंदबाजों को शामिल किया था, जिसमें सभी का प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार देखने को मिला।

इसमें सबसे ज्यादा 4 विकेट जहां अर्शदीप सिंह ने हासिल किए तो वहीं गुरनूर बरार तीन विकेट अपने नाम करने में कामयाब रहे लेकिन इन दोनों को प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला और सिर्फ 2 विकेट लेने वाले अंशुल कंबोज यह अवॉर्ड अपने नाम करने में कामयाब रहे जिसके साथ ही वह जसप्रीत बुमराह के साथ एक खास क्लब का भी हिस्सा बन गए।

अंशुल कंबोज के लिए उनका वनडे डेब्यू मैच बिल्कुल भी उम्मीद के अनुसार नहीं रहा था जिसमें उन्होंने अक्टूबर महीने के शुरुआत में वेस्टइंडीज के खिलाफ हुए मैच में खेलते हुए एक भी विकेट हासिल नहीं किया था और अपने 9 ओवर्स में 82 रन दे दिए थे। वहीं कंबोज ने करियर के दूसरे वनडे मैच में शानदार तरीके से वापसी करने के साथ न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने 10 ओवर्स में 22 रन देने के साथ 2 विकेट हासिल किए जिसमें उनको इस प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी मिला। अंशुल कंबोज इसी के साथ छठे ऐसे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने एक वनडे मैच में बिना एक भी गेंद खेले और 2 या उससे कम विकेट लेकर भी प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड अपने नाम किया है, जिसमें जसप्रीत बुमराह और अनिल कुंबले 2-2 बार अपने करियर में ऐसा कर चुके हैं।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी : सेफा में भारत ने साउथ कोरिया को 8-1 से रौंदा

मोहाली (एजेंसी)। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी (पंजाब 2026) के सेमीफाइनल में, बुधवार को भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने साउथ कोरिया के खिलाफ 8-1 से दमदार जीत दर्ज करते हुए फाइनल में जगह बनाई। बुधवार को मोहाली के ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम में खेले गए मैच में शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह ने दो-दो गोल दागे। अब गुरुवार को फाइनल में भारत का सामना जापान से होगा। शिलानंद लाकड़ा ने चौथे और 13वें मिनट में गोल किए, जबकि दिलप्रीत सिंह ने 21वें और 25वें मिनट में गोल दागे। इनके अलावा, हरमनप्रीत सिंह (9वें मिनट), सुखजीत सिंह (21वें मिनट), अंगद बीर सिंह (36वें मिनट) और विवेक सागर प्रसाद (54वें मिनट) ने भी एक-एक गोल किया। कोरिया के लिए एकमात्र गोल सांगजुन हान (9वें मिनट) ने दागा। यह मोहाली स्टेडियम में भारतीय पुरुष हॉकी टीम का पहला मैच था, जो दर्शकों के भारी उत्साह और शोर-शराबे के बीच खेला गया। पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम लीग चरण में अपने सभी पांच मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंची थी। भारत ने उसी फॉर्म को नॉकआउट मुकाबले में भी बरकरार रखा।



मोहाली में भारत ने आक्रामक शुरुआत करते हुए चौथे मिनट में ही एक बेहतरीन टीम प्रयास के जरिए बढ़त हासिल कर ली। दिलप्रीत ने स्ट्राइकिंग सर्कल के पास गेंद को कंट्रोल किया और सुखजीत को पास दिया, फिर उनसे वापस गेंद ली। इसके बाद उन्होंने बेसलाइन से गेंद को शिलानंद की तरफ बढ़ाया, जिन्होंने करीब से उसे नेट में पहुंचा दिया।

कोरिया ने नौवें मिनट में वापसी की। सांगजुन हान ने दाईं ओर से आए एक पास को गोलकीपर सूरज करकेरा के करीब से नेट में भेज दिया। हालांकि, भारत ने तुरंत ही पेनाल्टी कॉर्नर के जरिए अपनी बढ़त फिर से हासिल कर ली, जब कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने एक जोरदार ड्रैग-फ्लिक से गेंद को नेट में पहुंचा दिया।

भारत को 13वें मिनट में एक और पेनाल्टी कॉर्नर मिला। हरमनप्रीत के पहले प्रयास को गोलकीपर किम जेह्योन ने रोक दिया, लेकिन रिबाउंड पर शिलानंद ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए अपना दूसरा गोल दागा।

दूसरे क्वार्टर के शुरुआती पांच मिनट शांत रहे, जिसके बाद भारत ने अपने आक्रामक खेल दिखाना शुरू किया।

व्यापार

सेंसेक्स 1,600 अंक से ज्यादा उछला, निफ्टी में 1.80 प्रतिशत की तेजी

मुंबई (एजेंसी)। अमेरिकी मध्यावधि (मिडटर्म) चुनावों के नतीजों और कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार ने गुरुवार को जोरदार शुरुआत की। इस दौरान प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी करीब 2 प्रतिशत की बढ़त के साथ खुले और बाजार में सभी प्रमुख सेक्टरों में खरीदारी देखने को मिली।

शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 1,609.54 अंक यानी 2.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78,910.94 पर खुला, तो वहीं एनएसई निफ्टी 50 417.45 अंक या 1.74 प्रतिशत उछलकर 24,378.05 के स्तर पर खुला।

वहीं, दिन के कारोबार में एक समय सेंसेक्स ने 2.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 78,922.44 का इंट्रा-डे हाई



छुआ, जबकि निफ्टी ने 1.80 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24391.95 के दिन के उच्चतम स्तर को टच किया।

सेक्टोरल आधार पर वित्तीय शेयरों में सबसे अधिक तेजी रही। निफ्टी प्राइवेट बैंक सूचकांक 2 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया। रियल्टी सेक्टर भी मजबूत रहा और निफ्टी रियल्टी में 1.86 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इसके अलावा सीमेंट, ऑटो, आईटी, ऑयल एंड गैस और पीएसयू बैंक शेयरों में भी 1.8 प्रतिशत तक की तेजी देखने को मिली। इसके साथ ही, एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मेटल, मीडिया और केमिकल सेक्टर के शेयर भी हरे निशान में कारोबार करते दिखाई दिए और इनमें 1 से 1.5 प्रतिशत तक की बढ़त दर्ज की गई। बाजार विशेषज्ञों ने बताया कि निफ्टी अभी भी अपने 200-दिवसीय एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज (ईएमए) 23,904 के ऊपर बना हुआ है, जो तकनीकी रूप से एक मजबूत तेजी का संकेत है। आरएसआई बढ़कर 68.55 पर पहुंच गया है, जो बाजार में मजबूत गति को दर्शाता है, हालांकि निकट अवधि में मुनाफावसूली की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

विश्लेषकों के मुताबिक, निफ्टी के लिए 24,000 से 24,200 का स्तर निकटतम समर्थन (सपोर्ट) क्षेत्र है, जबकि 24,500 से 24,700 का दायरा महत्वपूर्ण प्रतिरोध (रेजिस्टेंस) क्षेत्र माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी चुनाव परिणामों पर शुरुआती सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद निवेशकों का ध्यान फिर अमेरिकी राजनीति और नीतिगत दिशा पर जाएगा। उनका मानना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कांग्रेस के बीच संभावित राजनीतिक टकराव भविष्य में बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण विषय बन सकता है।

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार खरीदारी भी बाजार को समर्थन दे रही है। बुधवार को एफआईआई ने लगातार चौथे कारोबारी सत्र में खरीदारी जारी रखते हुए 7,284 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। इसके विपरीत घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) लगातार चौथे दिन शुद्ध विक्रेता रहे और उन्होंने 3,712 करोड़ रुपए की बिकवाली की।

एंजेल वन की दिवाली निवेश सूची में आठ शेयर शामिल

मुंबई (एजेंसी)। ब्रोकरेज फर्म एंजेल वन ने अपनी दिवाली निवेश सूची 2026 में आठ शेयरों को शामिल किया है। इनमें एजीआई इंफ्रा, रत्नवीर प्रिसिजन, नॉर्दर्न आर्क कैपिटल, इंजीनियर्स इंडिया, आरती फार्मा लैब्स, शांति गोल्ड, आईसीआईसीआई बैंक और अपोलो माइक्रो सिस्टम्स शामिल हैं। ब्रोकरेज के अनुसार, भारत की आर्थिक विकास संभावनाएं मजबूत हैं। घरेलू निवेशकों की बढ़ती भागीदारी, सरकारी पूंजीगत खर्च और बैंक ऋण वितरण में तेजी बाजार को समर्थन दे रहे हैं। हालांकि, महंगाई, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, कमजोर रुपया और विदेशी निवेशकों की बिकवाली प्रमुख जोखिम बने हुए हैं। एंजेल वन सात नवंबर तक इन शेयरों के चयन के पीछे निवेश संबंधी तर्क प्रकाशित करेगा।

एयरटेल और डिस्ट्रिक्ट की साझेदारी, बेंगलुरु का कॉन्सर्ट स्थल बना एयरटेल एरिना

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में लाइव मनोरंजन को विश्वस्तरीय अनुभव देने के लिए एयरटेल और डिस्ट्रिक्ट ने विशेष साझेदारी की है। इसके तहत 16 एकड़ में फैले ओपन-एयर कॉन्सर्ट स्थल का नाम बदलकर एयरटेल एरिना रखा गया है। एयरटेल यहां हाई-कैपेसिटी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और निर्बाध 5जी कनेक्टिविटी विकसित करने में निवेश करेगा। इससे दर्शक लाइव स्ट्रीमिंग, डिजिटल भुगतान और सोशल मीडिया पर पलों को साझा करने जैसी सुविधाओं का बेहतर लाभ उठा सकेंगे। 17 हजार से अधिक दर्शकों की क्षमता वाले इस स्थल पर पहले भी अरिजीत सिंह, अनिरुद्ध रविचंदर और ब्रायन एडम्स के कार्यक्रम आयोजित हो चुके हैं।

अमेरिकी चुनाव नतीजों के बाद धड़ाम हुआ कच्चा तेल, ब्रेंट क्रूड 94 डॉलर से नीचे फिसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक कच्चे तेल बाजार में गुरुवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड 94 डॉलर प्रति बैरल से नीचे फिसल गया, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई भी 87 डॉलर प्रति बैरल के नीचे पहुंच गया। अमेरिकी मिडटर्म चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की बड़ी जीत और ईरान के साथ संभावित तनाव कम होने की उम्मीदों ने तेल की कीमतों पर भारी दबाव डाला है।

इस बीच, भारतीय रुपया लगातार पांचवें सत्र में मजबूत हुआ। बुधवार को 94.64 के स्तर पर बंद होने के बाद रुपया गुरुवार को 29 पैसे की बढ़त के साथ 94.35 प्रति डॉलर पर खुला।

बाजार में सबसे बड़ी चिंता रहे पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक जोखिमों का असर अब कम होता दिखाई दे रहा है। निवेशकों का मानना है कि अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों में डेमोक्रेटिक बढ़त के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए ईरान के खिलाफ आक्रामक सैन्य रुख अपनाना पहले की तुलना में अधिक कठिन हो सकता है। इससे कूटनीतिक समाधान की उम्मीद बढ़ी है और तेल बाजार में जोखिम प्रीमियम कम हुआ है।

गुरुवार को ब्रेंट क्रूड करीब 1 प्रतिशत गिरकर 93.65 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.36 प्रतिशत टूटकर 86.92 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। इससे पहले दोनों बेंचमार्क बुधवार को 8 प्रतिशत से अधिक टूटे थे और अगस्त के अंत के बाद के सबसे निचले स्तर पर बंद हुए थे।

इस सप्ताह अब तक कच्चे तेल की कीमतों में करीब 16



प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है, जो हाल के वर्षों की सबसे तेज साप्ताहिक गिरावटों में से एक मानी जा रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, खाड़ी देशों के सरकारी हलकों से जुड़े सूत्रों का मानना है कि ईरान पर बड़े पैमाने के सैन्य हमले की संभावना अब पहले की तुलना में कम हो गई है। वहीं राष्ट्रपति ट्रंप ने भी संकेत दिया है कि फिलहाल अमेरिका की ओर से ईरान पर तत्काल हमला करने की कोई योजना नहीं है।

इसके साथ ही उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी युद्ध की उपयोगिता पर सवाल उठाए हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनावी नतीजों के बाद अमेरिकी प्रशासन पर कूटनीतिक समाधान खोजने का दबाव बढ़ सकता है। इसी उम्मीद ने बाजार में भारी बिकवाली को जन्म दिया।

कच्चे तेल की आपूर्ति स्थिति में भी सुधार के संकेत मिले हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति लगभग युद्ध-पूर्व स्तरों के करीब पहुंचने लगी है। इससे वैश्विक बाजार में आपूर्ति को लेकर चिंताएं कम हुई हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, खाड़ी क्षेत्र से तेल आपूर्ति बहाल होने के बाद वैश्विक तेल बाजार एक बार फिर अधिशेष (सरप्लस) की स्थिति में पहुंच रहा है। बैंक का अनुमान है कि सितंबर में वैश्विक बाजार में प्रतिदिन लगभग 11 लाख बैरल और अक्टूबर में 14 लाख बैरल अतिरिक्त आपूर्ति रही।

हालांकि ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा गिरावट को स्थायी मान लेना जल्दबाजी होगी। उनका कहना है कि भू-राजनीतिक हालात तेजी से बदल सकते हैं और अमेरिकी कांग्रेस की नई संरचना जनवरी से प्रभावी होगी, इसलिए तत्काल नीति परिवर्तन की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

इसके अलावा, प्रमुख उपभोक्ता देशों में वाणिज्यिक तेल भंडार पिछले 15 वर्षों के निचले स्तर के करीब हैं। अमेरिका में भी पिछले सप्ताह कच्चे तेल, पेट्रोल और डिस्टिलेट के भंडार घटे हैं, जबकि मांग एक वर्ष के उच्च स्तर पर पहुंची है। ऐसे में कीमतों में तेज गिरावट लंबे समय तक बनी रहेगी, इस पर अभी निश्चित रूप से कुछ नहीं कहा जा सकता।

100 प्रतिशत बायोएथेनॉल से चलने वाली टोयोटा इनोवा 26 नवंबर को होगी लॉन्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि भारत तेजी से हरित और स्वच्छ परिवहन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'पावरिंग द नेक्स्ट माइल' कॉन्क्लेव में बोलते हुए उन्होंने घोषणा की कि 26 नवंबर को टोयोटा की इनोवा का 100 प्रतिशत बायोएथेनॉल-आधारित मॉडल लॉन्च किया जाएगा, जो पेट्रोल के बजाय पूरी तरह एथेनॉल पर चलेगा।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि वर्तमान में एथेनॉल की कीमत करीब 75 रुपए प्रति लीटर है, जबकि पेट्रोल करीब 120 रुपए प्रति लीटर का है। उन्होंने बताया कि यह वाहन चलते समय अपनी लगभग 60 प्रतिशत शक्ति बिजली से उत्पन्न करेगा। ऐसे में औसत परिचालन लागत की गणना करें तो इसका खर्च पेट्रोल की तुलना में लगभग 25 से 30 रुपए प्रति लीटर के बराबर होगा।

गडकरी ने कहा, इसी महीने 26 नवंबर को मैं टोयोटा की चार पहिया वाहन इनोवा लॉन्च करने जा रहा हूं, जो पेट्रोल की जगह पूरी तरह से 100 प्रतिशत बायोएथेनॉल पर चलेगी। एथेनॉल की कीमत 75 रुपए प्रति लीटर है, जबकि पेट्रोल की कीमत 120 रुपए प्रति लीटर है। यह वाहन चलते समय अपनी 60 प्रतिशत ऊर्जा बिजली से उत्पन्न करेगा। इसलिए, पेट्रोल की तुलना में औसत आधार पर गणना करने पर, प्रभावी लागत 25-30 रुपए प्रति लीटर के बराबर होगी।

उन्होंने कहा कि इससे उपभोक्ताओं को ईंधन खर्च में बड़ी बचत होगी और साथ ही प्रदूषण कम करने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि हरित, सुरक्षित और समावेशी तकनीक देश और आम लोगों दोनों के लिए लाभकारी साबित होगी।

त्यौहारों में भी मदिरा दुकानों के कर्मचारियों से बंधुआ मजदूरी?

प्रदेश में श्रम नियमों की धज्जियां

फिरोज अहमद खान

रायपुर/बालोद ((दैनंदिनी ब्यूरो)। राज्य शासन द्वारा भले ही मदिरा दुकानों के माध्यम से राजस्व अर्जन की व्यवस्था बनाई गई हो, लेकिन बालोद जिले व अन्य जिलों की शासकीय देशी व विदेशी मदिरा (कंपोजिट) दुकानों में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों के साथ श्रम अधिकारों का खुला उल्लंघन देखने को मिल रहा है। प्रमुख और विशेष हिन्दू त्यौहारों पर जहाँ पूरा समाज परिवार के साथ पर्व मनाता है, वहीं इन दुकानों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों को एक दिन का अवकाश तक नसीब नहीं हो रहा है।

तथ्यों के अनुसार, आबकारी विभाग द्वारा घोषित 'शुष्क दिवस' की सीमित सूची के आड़ में प्लेसमेंट एजेंसियां और स्थानीय आबकारी अधिकारी कर्मचारियों का निरंतर शोषण कर रहे हैं।

कानून क्या कहता है और धरातल पर क्या हो रहा है?

कानूनी व प्रशासनिक मानकों के मुताबिक, किसी भी वाणिज्यिक या शासकीय प्रतिष्ठान में कार्यरत कर्मचारियों के लिए 'छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना अधिनियम' और 'न्यूनतम वेतन कानून' लागू होते हैं जिसमें साप्ताहिक एवं त्यौहारी अवकाश का अधिकार : यदि कोई प्रतिष्ठान 365 दिन भी संचालित होता है, तब भी ठेकेदार/प्लेसमेंट एजेंसी को अनिवार्य रूप से 'रिलीवर स्टाफ' रखकर प्रत्येक कर्मचारी को सप्ताह में 1 दिन का अवकाश तथा त्यौहारों पर छुट्टियां या उसके एवज में दोगुना ओवरटाइम अलाउंस देना अनिवार्य है। बिना विश्राम काम कराना गैर-कानूनी : बालोद जिले की दुकानों में प्लेसमेंट ठेकेदारों द्वारा अतिरिक्त रिलीवर कर्मचारियों की तैनाती न करके मौजूदा कर्मचारियों से बिना किसी स्थानापन्न अवकाश के लगातार काम कराया जा रहा है, जो कि बंधुआ श्रम और श्रम कानूनों का प्रत्यक्ष उल्लंघन है।

जिम्मेदार आबकारी अधिकारियों और एजेंसियों पर कस सकता है कानूनी शिकंजा

विभागीय सूत्रों और श्रम विशेषज्ञों का स्पष्ट मानना है कि यदि इस अव्यवस्था में तत्काल सुधार नहीं किया गया, तो आबकारी विभाग और संबंधित प्लेसमेंट वेंडर बड़ी कानूनी मुश्किल में फँस सकते हैं जिसमें आबकारी निगम (सीएसएमसीएल) की टेंडर शर्तों का उल्लंघन : प्लेसमेंट एजेंसियों को दिए गए टेंडर अनुबंध में कर्मचारियों के श्रम अधिकारों का पालन करना अनिवार्य शर्त होती है। लगातार शिकायत मिलने पर एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करने और उसकी जमा राशि जप्त करने का स्पष्ट प्रावधान है। श्रम न्यायालय (लेबर कोर्ट) में सीधी कार्यवाही : यदि कर्मचारी संघ या कोई जागरूक नागरिक श्रम आयुक्त (लेबर कमिश्नर) के समक्ष शिकायत दर्ज कराता है, तो श्रम निरीक्षक (लेबर इंस्पेक्टर) द्वारा औचक निरीक्षण कर ठेकेदार और संबंधित आबकारी अधिकारी के खिलाफ 'औद्योगिक विवाद अधिनियम' के तहत मामला दर्ज कराया जा सकता है। मानवाधिकार एवं बायोमीट्रिक जांच की तलवार : दुकानों में लॉग-बुक और बायोमीट्रिक हाजिरी के मिलान से यह चुटकियों में साबित हो जाएगा कि कर्मचारियों से बिना साप्ताहिक और त्यौहारी अवकाश के कार्य लिया गया



है।

सुचारू व्यवस्था हेतु अति-शीघ्र आवश्यक कदम

इस अवैध व्यवस्था और तुगलकी चलन को तुरंत समाप्त करने के लिए आबकारी विभाग एवं प्लेसमेंट कंपनी को निम्नलिखित सुधार लागू करने होंगे। रोस्टर और रिलीवर प्रणाली लागू हो : जिले के आबकारी अधिकारी तुरंत सभी कंपोजिट दुकानों पर रोस्टर सिस्टम लागू करवाएं, ताकि कर्मचारियों को बारी-बारी से त्यौहारों एवं सप्ताह में एक दिन का अनिवार्य विश्राम मिल सके। ओवरटाइम का सीधा भुगतान : त्यौहारों के दिन काम करने वाले कर्मचारियों को उनके बैंक खातों में पारदर्शी रूप से अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि/ओवरटाइम का भुगतान किया जाए। पारदर्शी शिकायत निवारण तंत्र : दुकानों में श्रम विभाग और आबकारी निगम का टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर प्रदर्शित किया जाए, जिससे कर्मचारी बिना किसी डर के अपनी शिकायत दर्ज करा सकें।

"राजस्व संग्रह शासन का लक्ष्य हो सकता है, लेकिन किसी भी एजेंसी को भारतीय श्रम कानूनों और मानवीय अधिकारों को कुचलने का अधिकार नहीं है। बालोद जिले में यदि प्लेसमेंट एजेंसियां अपनी मनमानी से बाज नहीं आती हैं, तो मामला श्रम न्यायालय से लेकर शासन के उच्च स्तर तक पहुंचेगा।"

प्रदेश की मदिरा दुकानों में श्रम कानूनों का खुला उल्लंघन : पर्वों के दिन भी अवकाश से वंचित रखे जा रहे प्लेसमेंट कर्मचारी

समूचे छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में शासन की मदिरा दुकानों का संचालन करने वाली प्लेसमेंट एजेंसियों और लापरवाह आबकारी अधिकारियों की मनमानी चरम पर पहुँच चुकी है। एक तरफ जहाँ पूरा देश और समाज अपनी परिवार के साथ दीपावली, होली, रक्षाबंधन और अन्य प्रमुख धार्मिक तथा राष्ट्रीय पर्वों पर खुशियां मनाता है और अवकाश का आनंद लेता है, वहीं दूसरी ओर बालोद जिले की शासकीय देशी व विदेशी मदिरा (कंपोजिट) दुकानों में ठेके पर कार्यरत इन गरीब और बेबस प्लेसमेंट कर्मचारियों के हिस्से में



केवल दोहरी प्रताड़ना और निराशा ही आती है। स्थिति यह है कि विशेष हिन्दू त्यौहारों और अन्य पावन पर्वों के दिन भी इन कर्मचारियों को एक दिन का साधारण अवकाश तक नसीब नहीं हो रहा है, जिससे उनकी पारिवारिक और सामाजिक जिंदगी पूरी तरह से प्रभावित हो रही है।

आबकारी विभाग द्वारा प्रशासनिक स्तर पर केवल कुछ चुनिंदा 'शुष्क दिवस' यानी ड्राय डे की सीमित सूची जारी की जाती है, जिसके आधार पर दुकानें बंद रहती हैं। परंतु अधिकांश प्रमुख त्यौहारों पर जब दुकानें खुली रहती हैं, तब इन दुकानों पर तैनात प्लेसमेंट कंपनियाँ और उनके ठेकेदार मानवीय संवेदनाओं और श्रम कानूनों को ताक पर रखकर कर्मचारियों से लगातार जबरन कार्य करवाते हैं। कायदे और कानून के मुताबिक, यदि कोई प्रतिष्ठान वर्ष के 365 दिन भी खुला रहता है, तब भी प्रत्येक कर्मचारी को सप्ताह में कम से कम एक दिन का अनिवार्य साप्ताहिक अवकाश मिलना चाहिए।

इसके अलावा यदि किसी कर्मचारी से किसी राष्ट्रीय या विशेष पर्व के दिन ड्यूटी ली जाती है, तो उसे या तो वैकल्पिक अवकाश दिया जाना चाहिए या फिर उस दिन के कार्य के लिए नियमानुसार दोगुना ओवरटाइम वेतन उसके बैंक खाते में मिलना अनिवार्य है।

परंतु प्रदेश की जमीनी हकीकत इन तमाम कानूनी प्रावधानों के बिल्कुल विपरीत है। यहाँ की मदिरा दुकानों में प्लेसमेंट एजेंसियों द्वारा किसी भी प्रकार का अतिरिक्त 'रिलीवर स्टाफ' यानी अल्टरनेटिव कर्मचारी नियुक्त नहीं किया जाता है। एक ही मूल स्टाफ पर लगातार काम का भारी दबाव बनाया जाता है। यदि कोई कर्मचारी अपनी किसी पारिवारिक मजबूरी या त्यौहार के पावन अवसर पर एक दिन की छुट्टी मांगता है, तो उसे नौकरी से बाहर निकालने की धमकी दी जाती है या फिर उसकी सैलरी से पैसे काट लिए जाते हैं। ठेकेदारों की इस तानाशाही और तुगलकी कार्यशैली ने इन कर्मचारियों की स्थिति को एक तरह से आधुनिक 'बंधुआ मजदूरों' जैसी बना कर रख दी है, जहाँ वे अपनी आवाज भी बुलंद करने से डरते हैं।

इस गंभीर मामले को लेकर जब श्रम कानून के विशेषज्ञों और जानकारों से बात की गई, तो उनका स्पष्ट रूप से यह कहना है कि आबकारी विभाग और प्लेसमेंट एजेंसियों की यह कार्यशैली सीधे तौर पर छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना अधिनियम तथा न्यूनतम वेतन अधिनियम का खुला उल्लंघन है। छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड यानी आबकारी निगम द्वारा प्लेसमेंट एजेंसियों को जो टेंडर और अनुबंध दिए जाते हैं, उनमें साफ तौर पर यह शर्त शामिल होती है कि कंपनी को अपने सभी कर्मचारियों के श्रम अधिकारों और कल्याण का पूरा ध्यान रखना होगा। यदि कोई एजेंसी ऐसा नहीं करती है, तो आबकारी विभाग को पूर्ण अधिकार है कि वह उस कंपनी की अमानत राशि यानी ईएमडी को जप्त करते हुए उसे तुरंत ब्लैकलिस्ट कर दे।

इसके अतिरिक्त, यदि कोई पीड़ित कर्मचारी या मजदूर संगठन श्रम आयुक्त के समक्ष इसकी औपचारिक शिकायत दर्ज कराता है, तो श्रम निरीक्षक द्वारा दुकानों के बायोमीट्रिक और मैनुअल उपस्थिति रजिस्टरों की गहन जांच कर औद्योगिक विवाद अधिनियम के तहत संबंधित ठेकेदार और दोषी अधिकारियों के खिलाफ श्रम न्यायालय में सीधे कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। बालोद जिले के कई प्रबुद्ध नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और जागरूक लोगों ने जिला प्रशासन और राज्य सरकार से पुरजोर मांग की है कि इस अवैध और अमानवीय चलन को तुरंत रोका जाए। सभी मदिरा दुकानों में तत्काल प्रभाव से रोस्टर प्रणाली और रिलीवर स्टाफ की व्यवस्था लागू की जाए, ताकि इन मेहनतकश कर्मचारियों को भी अपने परिवार के साथ पर्व मनाने का अधिकार मिल सके और श्रम कानूनों का सही रूप से पालन सुनिश्चित हो सके।

पारंपरिक व्यंजनों के स्वाद से सोहद्रा बनीं 'लखपति दीदी'

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जब मन में कुछ नया करने का जज्बा और मेहनत का पक्का इरादा हो, तो गृहस्थी की चारदीवारी से निकलकर आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिखी जा सकती है। इसे सच कर दिखाया है जिले के गुण्डरदेही विकासखंड अंतर्गत ग्राम डौकीडीह की रहने वाली श्रीमती सोहद्रा चंद्राकर ने। राज्य शासन की राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' और 'लखपति दीदी' योजना के संबल से सोहद्रा चंद्राकर ने पारंपरिक स्वाद को ही अपनी आमदनी का मजबूत जरिया बना लिया और आज वे हर साल 7 से 8 लाख रुपये तक की आय अर्जित कर ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणापुंज बन गई हैं।



श्रीमती सोहद्रा चंद्राकर की यह प्रेरक यात्रा वर्ष 2018 में शुरू हुई, जब वे बिहान योजना के तहत 'प्राची स्व-सहायता समूह' से जुड़ीं। समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने सक्रिय महिला कैडर का विधिवत प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के बाद उन्होंने अपने गांव में योजना के सुचारू संचालन में सक्रिय भूमिका निभाई और यह समझ विकसित की कि पारंपरिक कौशल को भी एक सफल उद्यम का रूप दिया जा सकता है। ग्रामीण अंचल में घर-घर बनने वाले खान-पान को सोहद्रा ने व्यवसायिक रूप दिया। उन्होंने छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजनों जैसे चकली, पापड़, मुरकू, पौष्टिक सोंठ व तिल के लड्डू और रखिया व पोंगा जैसी विभिन्न पारंपरिक बड़ियों का गुणवत्तापूर्ण और स्वच्छता से निर्माण प्रारंभ किया। उनके हाथों से बने व्यंजनों के विशुद्ध देसी स्वाद की मांग तेजी से बढ़ने लगी। वे प्रतिवर्ष जिला एवं राज्य स्तरीय राज्योत्सव, सरस मेलों तथा विभिन्न शासकीय कार्यालयों में स्टॉल लगाकर अपने उत्पादों का विक्रय करती हैं। निरंतर गुणवत्ता और समयबद्ध आपूर्ति के चलते उनके उत्पादों की विश्वसनीयता बढ़ी, जिससे आज वे प्रतिवर्ष 7 से 8 लाख रुपये तक का शुद्ध कारोबार कर रही हैं।

दीपावली पर्व के मद्देनजर सभी चौक-चौराहों में लगाई जा रही यातायात व्यवस्था ड्यूटी

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। शहर में यातायात व्यवस्था, बाजार व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। व्यस्तम सदर बाजार मार्ग में सुबह 10.30 बजे से रात्रि 08.30 बजे तक चारपहिया वाहन की नो एन्ट्री लागू की गयी है। अनाधिकृत तरीके से, नो पार्किंग में खड़ी करने पर की जा रही ई-चालान की कार्यवाही। निर्धारित स्थलों में पार्किंग करने, यातायात नियमों का पालन करने बालोद पुलिस ने की अपील।

पुलिस अधीक्षक बालोद किरण गंगाराम चव्हाण के निर्देशन पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालोद चन्द्रकांत गवर्ना एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्रीमति श्रुति सिंह के मार्गदर्शन में, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) बालोद विनय कुमार एवं यातायात प्रभारी निरीक्षक नवीन बोरकर के नेतृत्व में आगामी दीपावली पर्व के मद्देनजर बालोद शहर में यातायात व्यवस्था, बाजार व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। यातायात बालोद एवं सिटी कोतवाली बालोद द्वारा शहर में लगातार पेट्रोलिंग किया जा रहा है, सदर बाजार एवं व्यस्तम मार्ग में प्रवेश करने वाले सभी स्थानों में यातायात अधिकारी कर्मचारीयों की ड्यूटी लगाई जा रही है।

पुर्व में दिनांक 04 नवंबर 2026 को यातायात कार्यालय बालोद में व्यापारी संघ/दुकानदारो की मीटिंग लिया गया था जिसमें बालोद शहर के वयस्तम मार्ग जैसे घड़ी चौक से सदर बाजार, बुधवारी बाजार एवं मधुचौक में मालवाहक वाहनों के प्रवेश समय प्रातः 10.30 बजे से रात्रि 08.30 बजे तक निषेध



किया गया है। शहर के सी मार्ट, बाल मंदिर स्कूल, कन्या शाला स्कूल, पुराना नगर पालिका में दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की पार्किंग के रूप में चिन्हांकित किया गया है। शहर के व्यस्तम मार्ग जैसे घड़ी चौक, क्लाडियस क्लीनिक के पास, गणेश पाव भाजी दुकान के पास, बुधवारी बजार, हलधर चौक, मधु चौक जयस्तंभ चौक में यातायात अधिकारी कर्मचारीयों की ड्यूटी लगाई जा रही है। सदर बाजार क्षेत्र में चारपहिया वाहन के प्रवेश को निषेध किया गया है एवं अवैधनिक रूप से नो पर्किंग में खड़ी करने वाले वाहनों पर लगातार ई-चालान की कार्यवाही भी किया जा रहा है।

पुलिस जिला प्रशासन बालोद द्वारा अपील किया गया कि वाहन चालक निर्धारित पार्किंग स्थलों में ही अपने वाहनों की पार्किंग करें एवं व्यापारीयों/दुकानदारों के द्वारा अपने दुकानों के सामने अनाधिकृत रूप से सामान फैलाकर व्यवसाय नहीं करें साथ ही अपने दुकानो के सामने पार्किंग के लिए पर्याप्त जगह रखे। यातायात नियमों का पालन करे, व्यवस्थित रूप से वाहनों की पार्किंग करें, तेज गति से वाहन न चलावे, शराब सेवन कर वाहन न चलाएं, वाहन चलाते समय मोबाईल का उपयोग न करे, नाबालिक बच्चों को वाहन चलाने न देवे, संयमित गति से वाहन चलाएं, वाहन चलाते समय सीट बेल्ट एवं हेलमेट अवश्य लगावें।

जनजातीय गौरव दिवस को भव्य और ऐतिहासिक बनाने भाजपा ने तेज की तैयारी, जिला स्तरीय कार्यशाला में बनी रणनीति

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। भगवान बिरसा मुंडा की 191वीं जयंती के अवसर पर 15 नवंबर को मनाए जाने वाले जनजातीय गौरव दिवस के भव्य आयोजन को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को भाजपा जिला कार्यालय में अनुसूचित जनजाति मोर्चा की जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में जनजातीय गौरव दिवस को व्यापक जनभागीदारी के साथ उत्साहपूर्वक मनाने और भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, त्याग, बलिदान एवं राष्ट्र के प्रति योगदान को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा की गई।



कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में जनजातीय गौरव दिवस के जिला प्रभारी पन्नालाल मंडावी उपस्थित रहे। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद चंद्रवंशी के मार्गदर्शन तथा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष बिहारी राम धुर्वे की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यशाला में संगठनात्मक तैयारियों, कार्यक्रम की रूपरेखा और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

मुख्य अतिथि पन्नालाल मंडावी ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन संघर्ष और उनके ऐतिहासिक योगदान को याद करते हुए कहा कि जनजातीय गौरव दिवस केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समाज के अतुलनीय योगदान, सांस्कृतिक विरासत और स्वाभिमान को सम्मान देने का अवसर है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इस गौरवशाली इतिहास को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाएं और आयोजन को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाएं।

भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद चंद्रवंशी ने कहा कि जनजातीय समाज की परंपराएं, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति समर्पण भारतीय विरासत की महत्वपूर्ण पहचान हैं। भगवान बिरसा मुंडा का जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए साहस, संघर्ष और स्वाभिमान की प्रेरणा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक एकजुटता के साथ आयोजन की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया।

इस अवसर पर जिला भाजपा महामंत्री मुकेश सिंह ठाकुर, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विदेशी राम धुर्वे, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी हेमंत ठाकुर, जिला मंत्री अनीता धुर्वे, फगनू राम धुर्वे, जनजाति गौरव समाज के जिला अध्यक्ष रामजी मेरावी, रामकुमार मेरावी, बोड़ला मंडल अध्यक्ष मोहन धुर्वे, पूर्व मंडल अध्यक्ष मंगलू पोर्ते, जिला पंचायत सभापति बारे लाल धुर्वे, जिला पंचायत सदस्य दीपा पप्पू धुर्वे, अजजा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष रति राम भट्ट, जिला कोषाध्यक्ष रूप सिंह धुर्वे, जिला उपाध्यक्ष बिहारी बैगा सहित कन्हैया मेरावी, नंदराज उइके एवं जिला महामंत्री राजकुमार नेताम उपस्थित रहे।

इसके साथ ही मंडल अध्यक्ष गणपत सिंह करचाम, कमलेश धुर्वे, मोहित मरावी, केवल मरकाम, लाल धुर्वे, मनोहर धुर्वे, रामगोपाल नेताम, तुलसी धुर्वे, रज्जू धुर्वे, गोपाल धुर्वे सहित अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला एवं मंडल पदाधिकारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

कार्यशाला के समापन पर अनुसूचित जनजाति मोर्चा की ओर से सभी अतिथियों, वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन को सफल बनाने के लिए सामूहिक संकल्प दोहराया गया।

अवैध शराब के खिलाफ कबीरधाम पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 12 आरोपी गिरफ्तार

आबकारी एक्ट के तहत 12 प्रकरण दर्ज, 10.080 लीटर शराब और मोटरसाइकिल सहित 34,680 रुपये का मशरूका जब्त

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले में अवैध शराब की बिक्री, परिवहन और सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने वालों के खिलाफ कबीरधाम पुलिस ने अभियान चलाकर कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव के निर्देशन में 4 एवं 5 नवंबर को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में की गई कार्रवाई के दौरान आबकारी एक्ट के तहत कुल 12 प्रकरण दर्ज कर 12 आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, थाना सहसपुर लोहारा पुलिस ने अवैध शराब बिक्री के मामले में शिवराम वाल्मिकी के कब्जे से 2700 मिलीलीटर शराब जब्त की, जिसकी कीमत 1200 रुपये बताई गई है। वहीं, चौकी पोड़ी पुलिस ने नेउरगांव खुर्द निवासी पवन बंजारे के पास से 2700 मिलीलीटर शराब और बिक्री की 200 रुपये की रकम जब्त की।

इसी तरह थाना सिंघनपुरी जंगल पुलिस ने करीनाला बांध



मेन रोड पर कार्रवाई करते हुए कोयलारी निवासी दशरथ साहू के कब्जे से 4680 मिलीलीटर शराब जब्त की। शराब परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल क्रमांक CG-09-JN-1165 को भी जब्त किया गया। जब्त शराब की कीमत 2080 रुपये और मोटरसाइकिल की कीमत 30 हजार रुपये आंकी गई है।

सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों पर भी कार्रवाई

थाना पिपरिया पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने वाले आठ लोगों के विरुद्ध आबकारी एक्ट की धारा 36(च)(1) के तहत अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए। इनमें नंदराम निषाद, मिथुन निषाद, बलराम चंद्रवंशी, रंजीत यादव, संदीप चंद्रवंशी, आकाश चंद्रवंशी, भतर साहू और बिरेन्द्र निषाद शामिल हैं।

वहीं, थाना पांडातराई पुलिस ने भारतमाता चौक के पास सार्वजनिक स्थान पर शराब सेवन करते पाए जाने पर नवापारा निवासी सनत साहू के विरुद्ध भी आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया।

34,680 रुपये का मशरूका जब्त

पुलिस के अनुसार, जिले में की गई इस कार्रवाई में अवैध शराब बिक्री के दो, शराब परिवहन का एक तथा सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन के नौ प्रकरण शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान कुल 10,080 मिलीलीटर शराब, जिसकी कीमत 4,480 रुपये है, बिक्री की 200 रुपये की रकम और शराब परिवहन में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल जब्त की गई। इस प्रकार कुल जब्त मशरूका की कीमत 34,680 रुपये है।

गन्ना किसानों को अब 425 रुपये प्रति क्विंटल मिलेगा खरीदी मूल्य, बोनस से भी बढ़ेगी आय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में गन्ना उत्पादक किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने गन्ने का खरीदी मूल्य बढ़ाकर 425 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। इसके साथ ही किसानों को बोनस का लाभ भी दिया जा रहा है। सूरजपुर जिले के माँ महामाया शक्कर कारखाना केरता में गुरुवार को आयोजित आभार एवं कृषक चौपाल कार्यक्रम में कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने किसानों को बोनस राशि वितरित की। गन्ना खरीदी मूल्य में वृद्धि के निर्णय पर किसानों ने राज्य सरकार के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री नेताम ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के मजबूत आधार हैं। उनके परिश्रम से ही देश की खाद्यान्न जरूरतें पूरी होती हैं। किसानों की खुशहाली और आर्थिक समृद्धि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि ही प्रदेश की प्रगति का आधार है।

मंत्री ने कहा कि सरगुजा अंचल के गन्ना उत्पादक किसानों की जरूरतों और मांग को देखते हुए माँ महामाया शक्कर कारखाने की स्थापना की पहल की गई थी। इसका उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के साथ क्षेत्र में कृषि आधारित औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देना था। अब कारखाने को और विकसित करने तथा वैल्यू एडिशन के माध्यम से इसकी आर्थिक संभावनाएं बढ़ाने की जरूरत है।

कृषि मंत्री ने किसानों से धान के साथ दलहन और तिलहन जैसी वैकल्पिक फसलों को भी अपनाने की अपील की। उन्होंने बताया कि धान के स्थान पर इन वैकल्पिक फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए



निर्धारित प्रावधानों के तहत किसानों को 15 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि फसल विविधीकरण से खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है।

नेताम ने आधुनिक और टिकाऊ कृषि पद्धतियों पर जोर देते हुए कहा कि वैज्ञानिक तकनीक और कृषि विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से कम पानी तथा संतुलित उर्वरक के उपयोग में भी बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने रासायनिक कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से स्वास्थ्य और पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का उल्लेख करते हुए किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्रतापपुर विधायक शकुंतला पोर्ते ने गन्ना खरीदी मूल्य में वृद्धि के लिए राज्य सरकार का आभार जताया। उन्होंने कहा कि माँ महामाया शक्कर कारखाने की स्थापना से लेकर इसके विकास तक किसानों के हितों को प्राथमिकता दी गई है। मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री के प्रयासों से गन्ना उत्पादक किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है।

कलेक्टर रेना जमील ने कहा कि रिवॉल्विंग फंड की घोषणा से गन्ना उत्पादक किसानों में नया उत्साह है। आगामी कार्ययोजना के तहत कारखाने की रिकवरी दर बढ़ाने और गन्ने की खेती का रकबा विस्तार करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। इससे कारखाने की उत्पादन क्षमता बढ़ने के साथ किसानों को भी अधिक आर्थिक लाभ मिल सकेगा। कृषक चौपाल में किसानों ने अपनी समस्याएं, अनुभव और सुझाव साझा किए। कृषि मंत्री ने उनकी बातें सुनते हुए कृषि क्षेत्र के विकास और किसानों की सुविधाओं के विस्तार के लिए शासन की प्रतिबद्धता दोहराई। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष चंद्रमणि पैकरा, अपर कलेक्टर नयनतारा सिंह तोमर, एसडीएम रमेश मोर, कृषि अधिकारी सम्पदा पैकरा सहित जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी और बड़ी संख्या में गन्ना उत्पादक किसान मौजूद रहे।

दीपावली से पहले छत्तीसगढ़ के बुनकरों और महिला स्व-सहायता समूहों को बड़ी सौगात

9 करोड़ 41 लाख रुपये का पारिश्रमिक सीधे बैंक खातों में अंतरित

रायपुर ■ दैनन्दिनी

दीपावली के पावन पर्व से ठीक पहले छत्तीसगढ़ के बुनकरों और सिलाई कार्य से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूहों के लिए बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप और ग्रामोद्योग मंत्री श्री गजेन्द्र यादव के विशेष निर्देशों के तहत, राज्य सरकार ने बुनकर सहकारी समितियों और महिला स्व-सहायता समूहों को उनके श्रम का पारिश्रमिक जारी कर दिया है। इसके तहत कुल 9 करोड़ 41 लाख रुपये की राशि आरटीजीएस (RTGS) के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की गई है। समय पर भुगतान होने से इन परिवारों में दीवाली की खुशियां और अधिक दोगुनी हो गई हैं।

समय पर भुगतान से मजबूत हो रहा स्थानीय हुनर- मंत्री गजेन्द्र यादव



ग्रामोद्योग मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने इस संबंध में प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बुनकरों और महिला स्व-सहायता समूहों के कठिन परिश्रम का समय पर पारिश्रमिक भुगतान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार स्थानीय हुनर को रोजगार से जोड़कर बुनकरों और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। दीपावली से पहले पारिश्रमिक मिलने से उनके परिवारों के जीवन में उत्साह और समृद्धि का संचार होगा। मंत्री श्री यादव ने आगे जोर देते हुए कहा कि वोकल फॉर लोकल की भावना को आत्मसात करते हुए बुनाई और गणवेश (यूनिफॉर्म) सिलाई के जरिए जमीनी स्तर पर सतत रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। महिलाओं के कौशल विकास और स्वरोजगार के दायरे को बढ़ाकर उनकी आय में वृद्धि करना सरकार का मुख्य ध्येय है।

9 करोड़ 41 लाख रुपये का पारिश्रमिक सीधे बैंक खातों में अंतरित

ग्रामोद्योग विभाग के सचिव सह प्रबंध संचालक श्री राजेश सिंह राणा ने बताया कि इस वित्तीय वर्ष और त्योहारी सीजन के दौरान पारिश्रमिक का यह वितरण पूरी पारदर्शिता के साथ सीधे खातों में किया गया है। प्रदेश के 26 जिलों की 302 बुनकर सहकारी समितियों को 7 करोड़ 60 लाख रुपये का भुगतान अक्टूबर 2026 में किया गया। 49 बुनकर सहकारी समितियों को 1 करोड़ 50 लाख रुपये तथा 128 महिला स्व-सहायता समूहों को 31 लाख रुपये का पारिश्रमिक 3 नवंबर को अतिरिक्त भुगतान किया गया।

चालू वित्तीय वर्ष (2026-27) की कुल उपलब्धियां

राज्य हाथकरघा संघ द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में 3 नवंबर तक कुल 76 करोड़ 13 लाख 54 हजार रुपये की राशि सीधे बैंक खातों में भेजी जा चुकी है, जिसमें शामिल हैं। बुनकर सहकारी समितियों को 345 बुनकर सहकारी समितियों को बुनाई पारिश्रमिक के रूप में 54 करोड़ 87 लाख रुपये, 2005 महिला स्व-सहायता समूहों को सिलाई पारिश्रमिक के रूप में 21 करोड़ 17 लाख रुपये की राशि सीधे बैंक खातों में भेजी जा चुकी है।

सुकमा, बस्तर, कोरबा और जशपुर में पुनर्वासित महिलाओं के लिए नए अवसर

पारंपरिक कार्यों के साथ-साथ सुदूर और आकांक्षी जिलों में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की अनूठी पहल भी शुरू की गई है। इसके तहत सुकमा, बस्तर, कोरबा एवं जशपुर जिलों की 30 पुनर्वासित महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई का विशेष प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है। राज्य हाथकरघा संघ के अनुपयोगी और कटपीस वस्त्रों का सदुपयोग करते हुए इनसे आकर्षक खिलौने, थैले (बैग) और वाटर बैग जैसे उत्पाद तैयार करवाने के कार्यादेश दिए जा रहे हैं।

साथ ही, इन महिलाओं को घर पर ही निःशुल्क सिलाई मशीन उपलब्ध कराकर उनके लिए आय के नए और स्थायी अवसर विकसित किए जा रहे हैं, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो रहा है।

बुनकरों को कल्याणकारी सहायता

बुनकरों की आकस्मिक मृत्यु पर 29 आश्रित परिवारों को 5 लाख 80 हजार रुपये की आर्थिक सहायता अनुदान और हाथकरघा क्षेत्र के 11 पुरस्कृत हितग्राहियों को 3 लाख 74 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है।

दिवंगत विधायक स्व. श्री डोमनलाल कोर्सेवाड़ा को विजय शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

पुष्प अर्पित कर किया नमन, शोकाकुल परिजनों से मिलकर बंधाया ढांढस



रायपुर ■ दैनन्दिनी

दिवंगत विधायक श्री डोमनलाल कोर्सेवाड़ा को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए बुधवार को बालोद जिले में उनके गृह ग्राम भेंड्रा में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा शामिल हुए। इस अवसर पर उनके साथ शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव, सांसद श्री विजय बघेल, विधायक श्री ललित चंद्राकर, सतनामी समाज की गुरू दीदी प्रियंका, पूर्व विधायक श्री सांवलाराम डाहरे सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने शामिल होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने दिवंगत स्व. श्री डोमनलाल कोर्सेवाड़ा के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा उनके प्रति अपनी श्रद्धा और सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि श्री डोमनलाल कोर्सेवाड़ा का निधन समाज और जनजीवन के लिए अपूरणीय क्षति है। सार्वजनिक जीवन में उनके योगदान, जनसेवा के प्रति समर्पण और लोगों से उनके आत्मीय जुड़ाव को सदैव याद किया जाएगा। उनका स्नेह, सरल व्यवहार और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता लोगों के हृदय में हमेशा बनी रहेगी।

इस दौरान सभी ने शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए इस कठिन समय में उन्हें संबल प्रदान किया तथा दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती तारणी पुष्पेन्द्र चंद्राकर, नगर पालिका दल्लीराजहरा के अध्यक्ष श्री तोरन लाल साहू, नगर पंचायत गुण्डरदेही के अध्यक्ष श्री प्रमोद जैन, कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।



बजट से पहले विकास कार्यों की तैयारी तेज

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में परियोजना निर्माण एवं क्रियान्वयन समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में राज्य में प्रस्तावित विभिन्न निर्माण और विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही भविष्य की योजनाओं को लेकर रूपरेखा तैयार की गई।

लागत के स्पष्ट आकलन और समयबद्ध तैयारी पर जोर–मुख्य सचिव विकासशील ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि प्रस्तावित निर्माण कार्यों के लागत तुलनात्मक विश्लेषण में पूरी स्पष्टता रखी जाए, जिससे प्रत्येक परियोजना की लागत का उचित और यथार्थवादी आकलन संभव हो सके। उन्होंने आगामी बजट में शामिल किए जाने वाले महत्वपूर्ण कार्यों की समय रहते पहचान करने और उनकी आवश्यक प्रशासनिक व तकनीकी तैयारियां पहले से ही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रमुख सड़क एवं बुनियादी परियोजनाओं पर हुई चर्चा–बैठक के दौरान अधिकारियों ने प्रस्तुतिकरण



के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे और प्रस्तावित विकास कार्यों की प्रगति से अवगत कराया। मुख्य रूप से इन परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कांकेर जिला में भानुप्रतापपुर-कांकेर-पंखाजूर मार्ग पर पुल-पुलिया सहित सड़क निर्माण कार्य। बिलासपुर क्षेत्र में बिलासपुर-कटनी रेल मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज (ROB) का निर्माण तथा बिलासपुर जिले में फ्लाईओवर ब्रिज का निर्माण का कार्य शामिल है। दुर्ग एवं अन्य परिक्षेत्र में नगरी-कांकेर-भानुप्रतापपुर-मानपुर-राजनांदगांव-कवर्धा-फास्टरपुर कुंडा मार्गों तथा कुम्हारी, अहिवारा-धमधा-गंडई-साल्हेवारा मार्गों का उन्नयन एवं चौड़ीकरण कार्य।

बैठक में कई विभागों के अधिकारी रहे मौजूद–बैठक में शासन के कई वरिष्ठ विभागों के प्रमुख सचिव और सचिव मौजूद रहे, जिनमें प्रमुख रूप से वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, वित्त विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार, जल संसाधन विभाग के सचिव राजेश कुमार टोप्पो, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के सचिव भुवनेश यादव, ऊर्जा विभाग के सचिव सारांश मित्तर सहित विभिन्न विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

संगठन विस्तार के लिए नए प्रयोग: बंशीलाल गुर्जर

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में भाजपा किसान मोर्चा संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने की तैयारी में जुट गया है। प्रदेश के 27 हजार मतदान केंद्रों पर किसान मितान का गठन किया जाएगा। इसे लेकर राजधानी रायपुर में भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बंशीलाल गुर्जर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर भी मौजूद रहे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि भाजपा संगठन विस्तार के लिए नए प्रयोग कर रही है। किसान मितान के माध्यम से मतदान केंद्र स्तर तक संगठन को मजबूत किया जाएगा। प्रत्येक बूथ पर 10 कार्यकर्ता संगठन के विस्तार के साथ किसानों से जुड़ी समस्याओं को समझेंगे और उनकी बात सरकार तक पहुंचाएंगे।



किसानों की मजबूती के लिए सरकार कर रही काम–बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि केंद्र सरकार ने किसानों के लिए कई योजनाएं बनाई हैं। वहीं छत्तीसगढ़ सरकार भी भाजपा के घोषणा पत्र के अनुरूप किसानों की मजबूती के लिए काम कर रही है। सरकार किसानों का धान खरीद रही है और कृषि क्षेत्र में फसल विविधीकरण यानी क्रॉप डाइवर्सिटी को बढ़ावा देने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में कई चुनौतियां हैं। किसानों की आमदनी दोगुनी करने के लिए प्रयास किए जाएंगे। किसान मितान योजना के जरिए किसानों को खेती-किसानी में बेहतर सहयोग देने और उनकी समस्याओं को समझने का काम किया जाएगा।

जमीनी हकीकत सरकार तक पहुंचाएंगे किसान मितान–भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि किसान मितान एक नया कांसेप्ट है। इसके जरिए किसानों की जमीनी समस्याओं और वास्तविक स्थिति की जानकारी सरकार तक पहुंचाई जाएगी।

डीएमएफ की कार्ययोजना में पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य और अधोसंरचना को दें प्राथमिकता : राज्यपाल डेका

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा है कि जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) की राशि का उपयोग खनन प्रभावित क्षेत्रों के समग्र विकास और वहां के निवासियों के जीवन स्तर में सुधार के लिए किया जाना चाहिए। इसके तहत पर्यावरण प्रदूषण को नियंत्रित करना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य और अधोसंरचना के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि सतत विकास के लिए पर्यावरण संरक्षण आवश्यक है। इसके लिए सुनियोजित कार्ययोजना तैयार करने के साथ पर्यावरणविदों का भी सहयोग लिया जाए। राज्यपाल श्री डेका आज लोक भवन में जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) की गतिविधियों, खनन प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों तथा आगामी पांच वर्षों की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने डीएमएफ की राशि के प्रभावी और सुनियोजित उपयोग के लिए कम से कम दो वर्ष का रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खनन प्रभावित क्षेत्रों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए डीएमएफ से आवश्यक कार्य किए जाएं। साथ ही उद्योगों से चर्चा कर पर्यावरणीय मानकों और निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाए। पर्यावरण संरक्षण के कार्यों को अभियान के रूप में संचालित करने पर उन्होंने जोर दिया। राज्यपाल ने नदियों से रेत उत्खनन के संबंध में वैज्ञानिक और पर्यावरण अनुकूल तरीकों को अपनाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि रेत रहेगी तो पानी रहेगा और पानी रहेगा तो रेत रहेगी। रेत खदानों में वैज्ञानिक तरीके से उत्खनन को



लेकर विशेष अभियान चलाने की बात भी कही। राज्यपाल ने कलेक्टरों को निर्देशित किया कि वे आम जनता से संवाद करें और उनकी आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं को समझें। इसके अनुरूप डीएमएफ की कार्ययोजना तैयार की जाए। विकास कार्यों के क्रियान्वयन में जनप्रतिनिधियों को भी विश्वास में लेना आवश्यक है। प्रशासन को जनता के साथ संवाद बनाए रखना चाहिए और उन्हें स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि कौन से कार्य किए जा सकते हैं तथा किन कार्यों को करना संभव नहीं है। उन्होंने डीएमएफ की नियमित बैठकें आयोजित करने को कहा, ताकि कार्यों की प्रगति की समीक्षा और आवश्यक निर्णय समय पर लिए जा सकें। राज्यपाल ने कहा कि डीएमएफ के माध्यम से खनन प्रभावित क्षेत्रों में सामाजिक कल्याण और विकास से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने खनन प्रभावित क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के आवासों को प्राथमिकता से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन विशेष उद्देश्यों के लिए डीएमएफ के अंतर्गत कार्य निर्धारित किए जाते हैं, उन कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने बस्तर क्षेत्र में डीएमएफ के माध्यम से विकास कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो लोग मुख्यधारा में लौट आए हैं, उन्हें शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए। उनके पुनर्वास, सामाजिक सुरक्षा और जीवन स्तर में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि वे विकास की प्रक्रिया से जुड़ सकें। राज्यपाल ने खनन प्रभावित क्षेत्रों में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजातियों के कल्याण पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने इन जनजातीय समुदायों के लिए विशेष चिकित्सा शिविर आयोजित करने तथा स्वास्थ्य एवं जीवनशैली में सुधार के लिए जागरूकता कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन समुदायों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाई जाएं और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। राज्यपाल ने कहा कि मनरेगा की तर्ज पर डीएमएफ के कार्यों में भी परिसंपत्तियों का निर्माण किया जाना चाहिए। इसके साथ ही निर्मित परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन पर भी ध्यान दिया जाए, ताकि यह पता चल सके कि स्वीकृत कार्यों का वास्तविक क्रियान्वयन हुआ है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com